राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,27 जुन2020 वर्ष-2, अंक -114 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम इमरान ने पाक संसद में लादेन को बताया 'शहीद'

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकवाद के खात्मे को लेकर पाकिस्तान का क्या रुख है यह प्रधानमंत्री इमरान खान के देश की संसद में दिए बयान से साफ हो गया है। दुनियाभर में खूंखार आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को इमरान खान ने 'शहीद' करार दिया है। खान ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब पहले ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम न उठाने और आतंकी संगठनों को पनाह देने का आरोप उस पर लग रहा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अल-कायदा सरगना और खूंखार आतंकवादी ओसामा. बिन लादेन को संसद में 'शहीद' करार दिया है। यही नहीं, खान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ जंग में अमेरिका का साथ नहीं देना चाहिए था। अमेरिका पर बरसते हुए खान ने कहा कि अमेरिकी फोर्सेज ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को 'शहीद' कर दिया और पाकिस्तान को बताया भी नहीं और इसके बाद पूरी दुनिया पाकिस्तान की ही बेइज्जती करने लगी।

खान ने कहा पाकिस्तान ने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ जंग में अपने 70 हजार लोगों को खो दिया। खान ने कहा कि जो पाकिस्तान देश से बाहर थे, इस घटना की वजह से उन्हें जिल्लत का सामना करना पड़ा। 2010 के बाद पाकिस्तान में ड्रोन अटैक हुए और सरकार ने सिर्फ निंदा की। उन्होंने कहा जब अमेरिका के एडमिरल मलन से पूछा गया कि पाकिस्तान पर ड्रोन हमले क्यों किए जा रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि सरकार की इजाजत से यह कार्रवाई की जा रही है।

ऐसा पहली बार नहीं है, जब इमरान खान ने ऐसा विवादित बयान दिया है। ओसामा को लेकर भी वह नरम रवैया अपनाते दिखे हैं। उन्होंने कई मौकों पर उसे आतंकी मानने से इनकार किया है। वह तालिबानी लड़ाकों को 'भाई' तक बता चुके हैं। पहले की सरकारों के दौरान वह ड्रोन हमलों की खुलकर निंदा कर चुके हैं और उनका कहना था कि अगर ड्रोन हमले बंद हो जाएं तो तालिबानी गतिविधियां भी बंद हो जाएंगी। खान का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने बुधवार को फैसला किया है कि पाकिस्तान को फिलहाल ग्रे लिस्ट में ही रखा जाएगा, क्योंकि वह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों को पहुंचने वाली फंडिंग पर नकेल नहीं कस पाया है।

देश के रेड लाइट एरिया को बंदकरने में ही भलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूल ऑफ मेडिसिन और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शिक्षाविदों के साथ मुंबई के केईएम के डॉक्टरों द्वारा किए गए एक स्टडी में पाया गया है कि भारत में रेड लाइट एरिया के बंद होने से बड़े पैमाने पर कोविड-19 मामलों की वृद्धि में 23 दिनों तक की देरी हो सकती है। साथ ही मामलों की संख्या को 67 फीसदी तक कम किया जा सकता है।

स्टडी में यहा कहा गया है कि अगर अगर रेड एरिया को खोला गया तो पश्चिम बंगाल के रेड-लाइट एरिया में 200 से अधिक सेक्स वर्कर और निवासियों की मौत हो सकती है। साथ ही यह भी कहा गया है कि महाराष्ट्र भी सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक होगा। रेड लाइट एरिया को बंद रखे रहने पर कोविड-19 के मामलों में 32 से 60.2 प्रतिशत की कमी हो सकती है और महामारी के कारण मौत की संख्या 44-67.6 प्रतिशत तक कम हो सकती है। वहीं, अगर इस इलाके को बंद रखा जाता है तो कोरोना के मामलों के बड़े पैमाने पर बढ़ने के समय में 8 से 23 दिनों की देरी हो सकती है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, येल मेडिकल स्कूल, केईएम अस्पताल और अन्य संस्थान के डॉक्टरों और शोधकर्ताओं का एक वैश्विक गठबंधन है। अध्ययन में यह बात सामने आई है कि अगर अगले एक साल में रेड लाइट एरिया को खोला गया तो इस

इन इलाकों में 4,00,000 से अधिक संक्रमण के मामले और 12,000 से मौतें हो सकती हैं। अध्ययन ने यह भी सुझाव दिया कि वैक्सीन के विकासित होने और भारत में उसके वितरण में कम से कम 18 महीने लग सकते हैं। अगर में नई दिल्ली के जीबी रोड रेड लाइट एरिया की बात करें तो यहां में 2,774 मामले, 386 को भर्ती कराना पड़ सकता है और 91 मौतें हो सकती हैं।

स्टडी के सह लेखक, येल विश्वविद्यालय के डॉ. अभिषेक पांडे ने कहा, सेक्स के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना असंभव है। सेक्स वर्कर, इसके संचालक और यहां जाने वाले लोगों के संक्रममित होने का खतरा अधिक होता है। रोड लाइट एयरिया को बंद रखने से हजारों मौतें टल सकती हैं।

स्टडी में सुझाव दिया गया है, कोविड-19 के लिए प्रभावकारी उपचार या टीकों की अनुपस्थिति में सीमित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा को मजबूत कर कोविड-19 के मामलों और मौतों को काफी हद तक कम कर सकते हैं

संक्षिप्त समाचार

सेना देश की अखंडता एवं संप्रभुता को बचाने के लिए समर्पित है: आईटीबीपी डीजी

नई दिल्ली। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रमुख एस एस देसवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनका बल और वर्तमान में लद्दाख में चीनी सैनिकों के साथ गतिरोध का सामना कर रही सेना, देश की अखंडता एवं संप्रभुता को बचाने के लिए समर्पित है। हरियाणा कैडर के 1984 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी, देसवाल ने कहा कि बल सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं। आईटीबीपी के महानिदेशक (डीजी) ने कहा, ÷सेना और आईटीबीपी देश की अखंडता एवं संप्रभुता के साथ ही सीमाओं की रक्षा के लिए राष्ट्र के प्रति समर्पित हैं।÷ छतरपुर में राधा स्वामी सत्संग ब्यास केंद्र में 1,000 से अधिक बेड वाले नवनिर्मित कोविड-19 देखभाल केंद्र का जायजा लेने के बाद उन्होंने ये बातें कहीं । पूर्वी लद्दाख में 15 जून की रात गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक संघर्ष में एक कर्नल समेत 20 सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। आईटीबीपी ने लद्दाख क्षेत्र के साथ ही करीब 3,488 किलोमीटर लंबी और कराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश में जाचेप ला तक फैली भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अन्य सेक्टरों में बल के कर्मियों की संख्या को बढ़ाया है।

सेटेलाइट तस्वीरे बता रही है चीन ने भारतीय सीमा पर तीन जगह कब्जा किया: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि चीन सीमा पर जंग का माहौल है और इस स्थिति से सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती है। उन्होंने कहा कि हम जानते है कि हमारी सेना के हाथों हमारा देश सुरक्षित है और कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से सरकार तथा सेना के साथ खड़ी है। चीनी घुसपैठ की विभिन्न माध्यमों से पुष्टि हो चुकी है लेकिन मोदी कहते हैं कि किसी ने कोई कब्जा नही किया है। मोदी को देश की जनता को भ्रमित करने की बजाय यह बताना चाहिए कि चीनी सैनिक कब और कैसे हमारी सीमा से बाहर होंगे। राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि देश की रक्षा को लेकर पूरा देश सरकार तथा सेना के साथ खड़ा है लेकिन लद्दाख की जनता, फौजी जनरल, सेटेलाइट तस्वीरे बता रही है कि चीन ने भारतीय सीमा पर एक नहीं बल्कि तीन तीन जगह कब्जा किया है तो इस सच्चाई को क्यो छिपाया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी भूमि पर कब्जा कर रखा है और चीन को वापस भगाना है इसलिए मोदी को बिना डरे हुए सच बताना होगा कि चीन ने हमारी कितनी जमीन पर कब्जा किया है। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला, वरिष्ठ नेता पी राजू, जितेंद्र सिंह तथा पवन खेडा ने यह संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सेना के पूर्व जनरल बता रहे हैं कि चीन ने हमारी भूमि पर 18 किलोमीटर तक कब्ज़ा कर दिया है लेकिन दुर्भाग्य से मोदी सरकार यह सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नही है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि मोदी सरकार चीनी सेना की घुसपैठ की बात स्वीकार करने को तैयार नही है। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में पांच बार चीन की सरकारी यात्रा की है और चीन हमारी ज़मीन पर कब्जा कर रहा है तो इस यात्रा का क्या मतलब हुआ है।

अनलॉक 2.0 की तैयारी शुरू

मेट्रो से लेकर इन सेवाओं को चालू करने पर फोकस

नई दिल्ली:

कोरोना वायरस महामारी के कारण देश में 25 मार्च से लेकर 31 मई तक लॉकडाउन लगाया गया था। फिर लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से खोलने के लिए 1 जून से अनलॉक-1.0 की शुरूआत हुई जो 30 जून तक है। अब सरकार ने अनलॉक-2.0 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक, 30 जून को अनलॉक-2.0 को लेकर गाइडलाइन जारी की जा सकती है। अधिकारियों ने सीएनएन-न्यूज 18 को बताया कि इस बार इंटरनेशनल फ्लाइट्स, स्कूलों और मेट्रो को चालू करने पर सरकार का फोकस रहेगा। अनलॉक 2.0 की प्रक्रिया से जुड़े एक सरकारी अधिकारी ने इस खबर की पुष्टि की है कि जल्द ही अनलॉक-2.0 को लेकर गाइडलाइन जारी की जा सकती है। साथ ही कुछ अंतरराष्ट्रीय मार्गों को निजी वाहकों के लिए खोला जा सकता है। जबकि मेट्रो सेवाओं को फिर से शुरू करने में समय लग सकता है।

मेट्रो शुरू करने में हो सकती है देर

सभी बड़े शहरों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए केंद्र सरकार अभी मेट्रो ट्रेनों के संचालन को शुरू करने में संकोच कर रही है। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। मुंबई में थोड़ा सुधार है, लेकिन अब उपनगरों में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। दक्षिण में चेन्नई ने कोरोना के ग्राफ को नियंत्रित करने के लिए दोबारा लॉकडाउन लगाया है। बेंगलुरु में भी मामले बढ़ने पर आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है। ऐसे में मेट्रो का संचालन दोबारा शुरू करने में थोड़ा समय लग सकता है।

शिक्षण संस्थान

कोरोना वायरस महामारी के बढ़ने की रफ्तार को देखते हुए सरकार अभी शिक्षण संस्थानों को भी खोलने पर संकोच कर रही है। कर्नाटक को छोड़कर अधिकांश राज्यों ने अपनी बोर्ड परीक्षा रद्द कर दी हैं। सीबीएसई और आईसीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं की बची हुई परीक्षा कैंसिल करने के बाद रिजल्ट जारी करने के लिए वैकल्पिक ग्रेडिंग योजना की तैयारी की है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए अनलॉक-1 के दिशानिर्देश के अनुसार, राज्यों के परामर्श से स्कूलों और कॉलेजों पर निर्णय लिया जाना था। स्कूलों/कॉलेजों को राज्यों के परामर्श से खोला जाना था। राज्य सरकारें/केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन इस पर संस्थागत स्तर पर अभिभावकों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर सकता है। फीडबैक के आधार पर, जुलाई में फिर से शिक्षण संस्थानों को खोलने पर निर्णय लिया जा सकता है। 30 मई की गाइडलाइन में ऐसा कहा गया था।

हवाई यात्रा

कुछ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर निजी वाहकों को संचालित करने की अनुमति देने पर चर्चा चल रही है। दरअसल, अमेरिकी प्रशासन ने भारत के वंदे भारत मिशन पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस योजना के तहत एअर इंडिया अमेरिका के लिए उड़ान भर रहा है लेकिन अमेरिकी वाहकों को अमेरिका-भारत मार्गों पर उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इसको लेकर अमेरिका ने वंदे भारत मिशन को अनुमति न देने की धमकी दी है। यूएई ने भी वंदे भारत मिशन पर ऐसी ही आपत्ति जताई है। वहीं केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने भी केंद्र सरकार से दुबई और अन्य खाड़ी देशों के लिए उड़ान भरने की अनुमति देने को कहा है।

श्रम: रोजगार को बढ़ावा देने पर होगा जोर

अनलॉक 2 में श्रम शक्ति के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कुछ अन्य योजनाओं की भी घोषणा की जा सकती है। केंद्र सरकार ने यूपी, बिहार, बंगाल और ओडिशा जैसे राज्यों से कहा है कि प्रवासी मजदूरों को रोजगार देने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में वह केंद्र को बताएं। इन राज्यों में भारी संख्या में प्रवासी मजदूर अन्य राज्यों से लौटे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अनलॉक-2 में कुटीर उद्योगों और स्थानीय श्रम शक्ति के रोजगार को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रीय रहेगा।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ अभद्र कमेंट करने पर कांग्रेस नेता भार्गव पर एफआईआर

विदिशा। कांग्रेस विधायक शशांक भार्गव केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर अमर्यादित टिप्पणी करके मुश्किलों से घिर गए। इसे लेकर उनके खिलाफ सिटी कोतवाली में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। एफआईआर दर्ज होने के कुछ देर बाद ही गुस्साए बीजेपी नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश टंडन और उनके साथियों पर भार्गव की फैक्ट्री में पथराव करने का आरोप है। इस हमले में विधायक शशांक भार्गव के कमरे का कांच तोड़ने का आरोप है। मामला बढ़ा तो सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भार्गव के फैक्ट्री पर पहुंच गई, तब जाकर कहीं बीजेपी कार्यकर्ताओं को शांत कराया। दरअसल, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढौतरी को लेकर गुरुवार को कांग्रेस ने सड़कों उतर कर साइकिल रैली निकाल विरोध प्रदर्शन किया था। इसी दौरान मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस विधायक ने स्मृति ईरानी के खिलाफ अमर्यादित और अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार में पेट्रोल-डीजल के दामों के जरा-सी बढ़ोतरी पर एक महिला मंत्री सरकार को चूड़ियां भेंट करने पहुंच जाती थीं, अब मौका आया है कि वह देश के प्रधानमंत्री को चूड़ियों के साथ कुछ और पेश कर दें। कांग्रेस विधायक भार्गव के इस बयान के बाद बीजेपी कार्यकर्ता भड़क उठे। इसे विवादित टिप्पणी को लेकर विदिशा से बीजेपी के नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश टंडन अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सिटी कोतवाली में उनके खिलाफ की मांग की।

कोरोना के हाल देखते हुए कुछ दिनों तक सभी ट्रेनें शुरू नहीं कर सकते, मांग के आधार पर स्पेशल ट्रेनें बढ़ाएंगे

नई दिल्ली।

कोरोना के बढ़ते मामले देखते हुए अभी सभी ट्रेनें नहीं चलाई जा सकती हैं। रेलवे ने शुक्रवार को यह बात साफ कर दी है। रेलवे ने कहा है कि मौजूदा हालात देखते हुए निकट भविष्य में सभी ट्रेनें चला पाना संभव नहीं है। हालांकि, स्पेशल ट्रेनें चलती रहेंगी और इन पर भी नजर रखी जा रही है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद यादव ने कहा कि कोविड के हालात और डिमांड को देखते हुए जल्द ऐसी और ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल से बड़े शहरों में जाने वाली ट्रेनों में लोगों की तादाद बढ़ रही है। यह दिखाता है कि हमारी अर्थव्यवस्था की हालत ठीक हो रही है। बता दें कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारतीय रेलवे ने गुरुवार को बड़ा फैसला लिया था। इसके तहत सभी रेगुलर मेल, एक्सप्रेस, पैसेंजर और सब-अर्बन ट्रेनों को 12 अगस्त तक कैंसिल किया गया है। इनसे यात्री टिकट बुक नहीं करवा पाएंगे। इन ट्रेनों में 1 जुलाई से 12 अगस्त के बीच सफर करने के लिए अगर किसी ने टिकट बुक करवाया है तो वह कैंसिल माना जाएगा। हालांकि, रेलवे ने साफ किया है कि टिकट का 100त्न रिफंड दिया जाएगा। रेलवे ने इससे पहले 30 जून तक रेगुलर ट्रेन सेवा कैंसिल करने का फैसला लिया था, मगर अब इसे 12 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि, रेलवे ने कहा कि 230 मेल और स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं और यह जारी रहेंगी। इनमें 12 मई से राजधानी रूट पर चल रही ऐसी 24 और 1 जून से चलने वाली 200 ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे पहले भी कह चुका है कि जरूरत पड़ी तो कुछ और स्पेशल ट्रेनें चलाई जा सकती हैं।

नर्सों के लिए दिए गए पीपीई किट का बेहतर उपयोग करना राज्यों की जिम्मेदारी : केंद्र सरकार

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि उसने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और एन-95 मास्क प्रदान किए हैं और सुरक्षात्मक सामान का ''बेहतर उपयोग'' करना उनके ऊपर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक गैर सरकारी संगठन द्वारा दायर की गई जनहित याचिका के जवाब में दाखिल एक हलफनामे में यह बात कही है। याचिका में दावा किया गया है कि निजी अस्पतालों में नर्सों को कोविड-19 महामारी के खिलाफ सुरक्षा के लिए उचित सुरक्षा उपकरण प्रदान नहीं किए जा रहे हैं। एनजीओ ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में नर्सों को इस्तेमाल किए गए पीपीई किट दिए जा रहे हैं। मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा, ''केंद्र सरकार आवश्यकताओं के अनुसार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पीपीई किट, एन-95 मास्क आदि उपलब्ध करा रही है। इन चीजों का बेहतर उपयोग करना राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है।'' 'डिस्ट्रेस मैनेजमेंट कलेक्टिव' नामक एनजीओ की याचिका पर अपने जवाब में दिल्ली सरकार ने कहा है कि वह उन निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम के खिलाफ कार्रवाई कर रही है जो कोविड-19 दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हैं और जब इस तरह के मामलें सामने आते हैं, तो कार्रवाई की जाती है।

जवानों की शहादत पर राजनीति, शिवसेना ने पीएम मोदी पर लगाया सेना का इस्तेमाल करने का आरोप

नेशनल डेस्क। शिवसेना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए गलवान घाटी संघर्ष में भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाई गई वीरता का इस्तेमाल कर रहे हैं। महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार के प्रमुख दल ने कहा कि 15 जून को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के सैनिकों के साथ हुए संघर्ष में शामिल एक विशेष सैन्य रेजिमेंट का उल्लेख कर मोदी ''जातीय और क्षेत्रीय कार्ड खेल रहे हैं। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना ने अपने सम्पादकीय में गलवान घाटी संघर्ष में बिहार रेजिमेंट की वीरता पर मोदी के बयान का जिक्र करते हुए यह बात कही। मराठी दैनिक ने पूछा कि देश जब सीमा पर संकट का सामना कर रहा था तो क्या महार, मराठा, राजपूत, सिख, गोरखा, डोगरा रेजीमेंट सीमाओं पर बेकार बैठकर तम्बाकू चबा रहे थे? उसने कहा कि कल पुलवामा में आतंवकादियों के साथ मुठभेड़ में महाराष्ट्र का सीआरपीएफ जवान सुनील काले शहीद हो गया। और क्षेत्र को महत्ता दी गई। सम्पादकीय में भाजपा के पूर्व सहयोगी ने इस तरह की राजनीति का विरोध किया। आगामी चुनाव को देखते हुए भारतीय सेना में जाति और क्षेत्र को महत्ता दी गई। सम्पादकीय में भाजपा के पूर्व सहयोगी ने इस तरह की राजनीति का विरोध किया। सम्पादकीय में कहा गया कि इस तरह की राजनीति एक बीमारी है, जो कि कोरोना वायरस से अधिक घातक है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है। वहां सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा शामिल है।

संपादकीय

दिल्ली की चिंता

देश के जिस चमकदार हिस्से को आदर्श बनकर चमकना था, वहां कोरोना संक्रमण का सबसे ज्यादा फैल जाना दुखद और चिंताजनक है। किसी भी देश की राजधानी में आबादी ज्यादा होती है, लेकिन इसके बावजूद उसे खुद को तमाम कमियों से बचना-बचाना पड़ता है, ताकि उस पर विश्वास कायम रहे। राजनीति से परे भी राजधानी का अपना महत्व है और यह महत्व वहां मौजूद सुविधाओं-संसाधनों की वजह से ही आकार लेता है। यह दुखद तथ्य है कि दिल्ली ने कोरोना के मामलों में उस मुंबई को पछाड़ दिया है, जो विगत लगभग दो महीने से सबसे आगे चल रही थी। मुंबई में जहां रोज आ रहे मामलों की संख्या में भारी कमी आई है, वहीं दिल्ली में एक दिन में 3,788 मामलों का सामने आना चिंता को बहुत बढ़ा देता है। यह दिल्ली के लिए पहले से कहीं ज्यादा ईमानदारी और मुस्तैदी से सोचने-करने का वक्त है। आने वाले दिनों में कई देशों से हवाई उड़ानें शुरू हो जाएंगी और एक राजधानी के रूप में दिल्ली की जो व्यापक जिम्मेदारियां हैं, उनसे बचना नामुमकिन है। कोरोना की चेन तोड़ने के लिए सरकार को युद्ध स्तर पर प्रयास करने चाहिए। अर्थव्यवस्था के लिए लॉकडाउन खुलना जरूरी है, पर ऐसा न हो कि संक्रमण इतनी तेजी से फैले कि अनलॉक होने का नुकसान ज्यादा और फायदे कम हो जाएं। उधर, लॉकडाउन खोलने के बाद महानगर चेन्नई की भी हालत खराब हो गई थी, तो वहां फिर 12 दिन का संपूर्ण लॉकडाउन लगाना पड़ा है। कोलकाता में भी राहत नहीं है, पश्चिम बंगाल सरकार ने लॉकडाउन को 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है। दिल्ली में अभी लॉकडाउन का इरादा किसी नेता ने नहीं जताया है, पर संक्रमण को नहीं संभाला गया, तो कोरोना व लॉकडाउन की राजनीति शुरू करने का इंतजार करने वाले भी कम नहीं होंगे। राजनीति का अपना मिजाज है, जिसमें एक दोषी या आरोपी खोजा जाता है, लेकिन कोरोना के समय ऐसा कोई प्रयास करने की बजाय सकारात्मक ढंग से सोचना चाहिए। अव्वल तो दिल्ली में परस्पर समन्वय बढ़ाना सबसे जरूरी है। निर्णायक नेताओं को रोष, राजनीति छोड़कर फैसले लेने होंगे। जनता देख रही है कि कौन क्या कर रहा है। अत- नेताओं को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास गहराई से होना चाहिए। मरीज घर में रहे या अस्पताल आए, जैसे विषय पर विवाद का समय नहीं है। बहुत से लोग होंगे, जिनके घर में जगह या सुविधाएं नहीं होंगी, तो उनका अस्पताल आना विवशता है। अत- दोनों ही तरह कर सुविधाओं के साथ सरकार को चलना होगा। यह मरीजों के अनुकूल राह निकालने का समय है। बहरहाल, दिल्ली सरकार ने घर-घर जांच का जो बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है। 15,000 से ज्यादा टीमें बन रही हैं, जिनमें 55 हजार से ज्यादा चिकित्सा सेवक शामिल होंगे, जो 34 लाख से अधिक घरों में जाकर लोगों की जांच करेंगे। ऐसे बड़े अभियान के समय लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे स्वयं आगे बढ़कर जांच कराएं। संभव है, घर-घर जांच से कोरोना के मामलों की संख्या बढ़ जाए, पर तब भी 6 जुलाई तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और उसके बाद की रणनीतियों के साथ भी दिल्ली को तैयार रहना चाहिए। इस तैयारी की बुनियाद निर्णायकों के परस्पर समन्वय पर निर्भर है और जो थोड़े-बहुत मतभेद रह भी जाएं, तो उनका असर जांच या चिकित्सा टीमों पर नहीं पड़ना चाहिए।

जनता पर भारी सरकारी मुनाफाखोरी

दरअसल/ राजकुमार सिंह

कोरोना कहर और चीनी विश्वासघात के संकटों के बीच घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें जिस तरह रोज बढ़ रही हैं, वह भी कोरोना और उससे जनित हालात से बेजार आम आदमी के लिए किसी संकट से कम नहीं। शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि देश में डीजल की कीमत पेट्रोल से ज्यादा हो गयी है। आंकड़ेबाजों के लिए यह ऐतिहासिक घटना है, पर इसकी मार आम आदमी पर बहुत गहरे तक पड़ रही है। यह सही है कि पेट्रोल के मुकाबले डीजल की लागत हमेशा ज्यादा रही है। मसलन पेट्रोल की बेस प्राइस 21.11 रुपये प्रति लीटर है तो डीजल की बेस प्राइस 22.93 रुपये प्रति लीटर। इसके बावजूद सरकार कृषि, बिजली, सार्वजनिक परिवहन व माल ढुलाई सरीखे जरूरी और जन उपयोगी कार्यों में भी डीजल के इस्तेमाल के चलते, सब्सिडी देकर, इसकी कीमत पेट्रोल से कम रखती रही। इसलिए भी समय-समय पर डीजल कारों पर रोक लगाने की मांग उठती रही, क्योंकि शानदार बड़ी लग्जरी एसयूवी वाले भी सब्सिडी वाला डीजल इस्तेमाल करते हैं। वजह ऑटो उद्योग का दबाव रहा हो अथवा कुछ और, सरकारों ने डीजल कारों पर रोक से हमेशा मुंह चुराया। अब जो डीजल कारों के प्रति निर्माताओं से लेकर उपभोक्ताओं तक का मोहभंग नजर आ रहा है, तो उसका कारण डीजल वाहनों से अपेक्षाकृत ज्यादा होने वाले प्रदूषण और उसके प्रभावों के प्रति न्यायपालिका और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का सख्त रुख ही है। हां, सरकारों ने धीरे-धीरे सब्सिडी समाप्त पेट्रोल-डीजल के मूल्य निर्धारण को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों से जोड़ते हुए पेट्रोलियम कंपनियों पर छोड़ दिया। हालांकि बाद में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के लगातार गिरते दामों के अनुपात में घरेलू बाजार में मूल्यों में कमी न किये जाने अथवा चुनावों के समय अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में कीमतें स्थिर रहने के तमाम उदाहरणों से साफ हो गया कि पेट्रोलियम पदार्थों की बहुप्रचारित नियंत्रण मुक्ति दरअसल अर्धसत्य या छलावा ही है। सालों तक लगातार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में उछाल के रुख ने वर्ष 2017 में पलटी खायी। तब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में जबर्दस्त गिरावट देखी गयी थी, लेकिन उसका भी पूरा लाभ उपभोक्ता को देने के बजाय सरकार ने तमाम तरह के कर और शुल्क बढ़ाकर अपना खजाना भरने का विकल्प चुना, पर कमजोर विपक्ष शाब्दिक आलोचना से ज्यादा ऐसा कुछ नहीं कर सका, जिससे सरकार की साहूकारी प्रवृत्ति पर लगाम लग पाती। सरकार की मुनाफाखोरी की फितरत के साथ-साथ विपक्ष की नाकामी की चर्चा इसलिए जरूरी है, क्योंकि वर्ष 2004 से 14 के बीच कांग्रेसनीत संप्रग के 10 साल के शासनकाल में पेट्रोल-डीजल-रसोई गैस के दामों में वृद्धि होते ही तब विपक्ष में रही भाजपा सड़कों पर उतर कर ऐसा माहौल बना देती थी कि कुछ मौकों पर तो सरकार को अपने कदम वापस भी खींचने पड़े। जाहिर है, हर सरकार पेट्रोलियम पदार्थों पर कर और शुल्क में वृद्धि के जरिये खजाना भरने को आसान और बेहतर विकल्प समझती रही है, क्योंकि अपने देश में विश्वसनीय और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन के अभाव में, उपभोक्ता चाहते हुए भी इनकी खपत में ज्यादा कमी नहीं कर सकते। इसके बावजूद कोरोना संकट और उससे उपजे हालात के बीच घरेलू बाजार में पिछले 19 दिनों में डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर से भी ज्यादा तथा पेट्रोल की कीमत में आठ रुपये प्रति लीटर से भी ज्यादा की वृद्धि आपराधिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कही जायेगी। कोरोना से त्रस्त विश्व में पेट्रोल-डीजल की लगभग थम कर रह गयी खपत के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम मानो रसातल को ही चले गये थे, लेकिन घरेलू बाजार में कीमतें गिरने के बजाय बेलगाम रफ्तार से बढ़ती ही रहीं। सरकार की मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि मई महीने में ही केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में पेट्रोल पर 10 रुपये तो डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की। सिर्फ केंद्र सरकार ही पेट्रोल-डीजल पर कर-शुल्क में मनमानी वृद्धि कर अपना खजाना भरने की प्रवृत्ति से ग्रस्त नहीं है, जो कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर इस मूल्य वृद्धि का विरोध कर रही है, उसकी तथा अन्य दलों की राज्य सरकारें भी, पेट्रोल-डीजल पर मनमाना वैट लगा कर अपना खजाना भरने में पीछे नहीं हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां भी अब मुनाफे के लिए मूल्य वृद्धि से परहेज नहीं कर रहीं। आश्चर्यजनक यह है कि लगातार मुनाफा कमाने वाली ये कंपनियां अब घाटे का भी दावा कर रही हैं। अब जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम कुछ चढ़ने लगे हैं, तब तो इन कंपनियों से लेकर सरकारों तक को अपनी मुनाफाखोरी पर लगाम लगानी चाहिए।

यह समझा जा सकता है कि कोरोना के चलते लंबे लॉकडाउन के परिणामस्वरूप सरकारों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गयी है, जबकि कई तरह के अप्रत्याशित खर्चे बढ़े हैं। इसलिए शराब से लेकर पेट्रोल-डीजल तक हर उस चीज पर वे मनमाने कर-शुल्क लगा कर-बढ़ा कर अपना खजाना भरने को उतावली हैं, जिसकी खपत तय है। पर केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना काल में उनकी तो महज अर्थव्यवस्था गड़बड़ायी है, जिसे वे देर-सवेर संभाल ही लेंगी, जबकि आम आदमी की तो जीवन की गाड़ी ही पटरी से उतर गयी है। लॉकडाउन में रोजगार गंवाने वालों की संख्या करोड़ों में है, तो ठप हो गये छोटे और मझौले उद्योग-धंधों की संख्या भी कम नहीं है। अनलॉक प्रक्रिया के बीच भी देश भर में कोरोना का कहर जिस तरह जारी है, उसके मद्देनजर कोई नहीं जानता कि इन प्रभावितों-पीड़ितों के जीवन की गाड़ी कब पटरी पर लौट पायेगी। खजाना भरने के लिए शराब सरीखी गैर-जरूरी चीजों पर कर-शुल्क में मनमानी वृद्धि समझी जा सकती है, लेकिन पेट्रोल-डीजल विलासिता की नहीं, जरूरत की चीज है। अभी जबकि कोरोना संकट से उबर कर सार्वजनिक परिवहन सामान्य होने में लंबा समय लगेगा, निजी वाहनों का उपयोग सुरक्षा की दृष्टि से भी जरूरी है, पेट्रोल-डीजल की कीमतें बेलगाम होना कतई उचित नहीं माना जा सकता। नहीं भूलना चाहिए कि डीजल की कीमतें बढ़ने का असर तो सार्वजनिक परिवहन के किराये से लेकर माला भाड़े में वृद्धि तक, और अंतत- महंगाई पर भी पड़ेगा। सरकार का काम सिर्फ शासनतंत्र चलाना भर नहीं है, वह जनता की संरक्षक भी होती है। ऐसे वक्त जबकि जन साधारण कोरोना के चलते जीवन की ही जंग लड़ रहा है, पेट्रोलियम पदार्थों की बेलगाम कीमतें और परिणामस्वरूप बढ़ने वाली महंगाई की मार उसकी मुश्किलें ही बढ़ायेगी। अर्थव्यवस्था को गति देने तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सिर्फ उद्योगों को पैकेज देने से बात नहीं बनेगी, आम आदमी के डगमगाये हुए विश्वास को भी बहाल करना होगा।

आज के ट्वीट

संवेदना

बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से कई लोगों के निधन का दुखद समाचार मिला। राज्य सरकारें तत्परता के साथ राहत कार्यों में जुटी हैं। इस आपदा में जिन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। -- पीएम नरेंद्र मोदी

ज्ञान गंगा

पानी के स्रोत

जग्गी वासुदेव

भारत में एक बड़ी समस्या है कि हर कोई सोचता है कि वह पर्यावरण विशेषज्ञ है, सिर्फ इसलिए कि वह अखबार में एक लेख पढ़ लेता है, या उसने टीवी पर दो मिनट के लिए कुछ देखा है। अभी, हम प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं क्योंकि अमेरिका और यूरोप प्रदूषण के बारे में बात कर रहे हैं। हमें यह बीमारी है कि जो कुछ भी अमेरिका या यूरोप में कहा जाता है, भारतीय उसे दोहराना चाहते हैं। देश में अंग्रेजी बोलने वाले लोगों के साथ यही एक बड़ी समस्या है। चाहे वह पत्रकार हो या तथाकथित पर्यावरण वैज्ञानिक, उसे सीधी बात समझाने में भी बहुत कठिनाई होती है, क्योंकि उसके दिमाग में हर समय यूरोप और अमेरिका नाचता है। असली समस्या प्रदूषण नहीं है। हमें समझना चाहिए कि नालों का पानी नदियों में जाना बंद हो जाता है, तो ज्यादातर नदियां नहीं बहेंगी। यमुना को ही लें। उसमें 90 प्रतिशत पानी नालों का है। आप सारे नालों के पानी को रोक दें, तो यमुना नहीं रहेगी। एक उष्णकटिबंध देश की वास्तविकताएं उस देश से बहुत अलग होती हैं, जिसकी जलवायु समशीतोष्ण है। हम जिस अक्षांश पर हैं, और हमारी जिस किस्म की जमीन है, यह बहुत अलग है। बुनियादी रूप से हमें गलतफहमी है कि नदियां पानी का स्त्रोत हैं। नहीं। इस देश में नदी, तालाब, या झील पानी के स्त्रोत नहीं हैं। पानी का स्त्रोत सिर्फ एक है; मानसून की बारिश। नदियां, तालाब, झील और कुएं पानी का गंतव्य स्थान हैं, स्त्रोत नहीं। हर साल मानसून की बारिश लगभग 3.6 से 4 लाख करोड़ टन पानी बादलों से गिराती है। जब यह एक हरा-भरा वष्रावन या उष्णकटिबंध वन था, तो हमने इस पानी के ज्यादातर हिस्से को भूजल के रूप में थामे रखा और नदियों, तालाबों, झीलों में धीरे-धीरे रिसकर जाने दिया। तो नदियां बहती रहीं। पिछले सौ सालों में, इस उपमहाद्वीप पर मानसूनी पानी में महत्त्वपूर्ण कमी नहीं आई है। लेकिन ज्यादातर नदियों में पानी औसतन 40 प्रतिशत कम हो गया है। समझने की जरूरत है कि यूरोप की नदियां अधिकतर ग्लेशियर से निकलती हैं, या उससे पोषित हैं, जबकि भारत की नदियां जंगलों से पोषित हैं। भारत की सिर्फ चार प्रतिशत नदियां ग्लेशियर से पोषित हैं, यह सिर्फ ऊपर उत्तर में है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

हरियाणा के रत्न को कृषि का 'नोबेल'

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

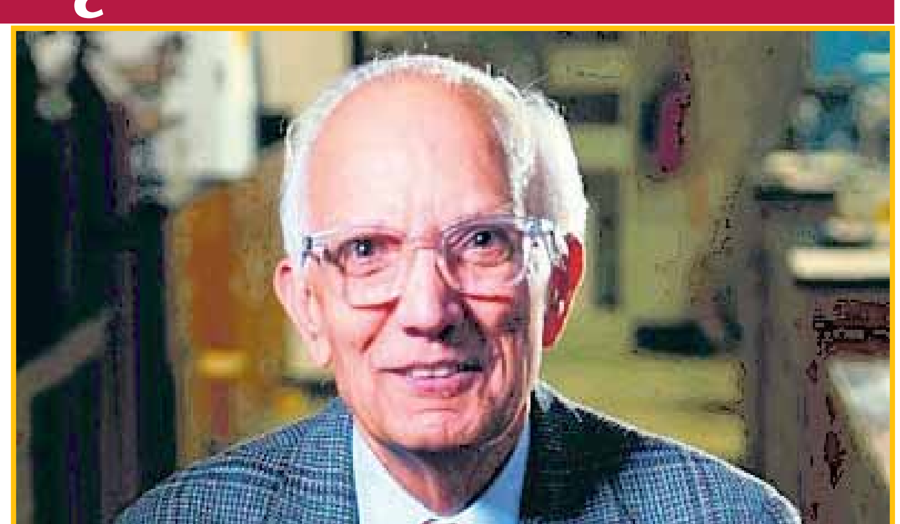

अपनी ज़मीन से उखड़कर दुनिया की ज़मीन को उर्वरा बनाने निकले एक भारतीय लाल ने मानवता के लिए इतना बड़ा काम किया कि दुनिया उनकी मुरीद है। उनके योगदान का मूल्यांकन कृषि के नोबेल कहे जाने वाले 'विश्व खाद्य पुरस्कार' के रूप में किया गया है। वर्ष 2020 के लिए दिये जाने वाले इस पुरस्कार में करीब 250000 अमेरिकी डॉलर की राशि उन्हें दी गई जो भारतीय रुपये में करीब दो करोड़ के लगभग बैठती है। उन्होंने भूख के खिलाफ लड़ाई में इनसान को मजबूत किया है। उनके ऋषिकर्म का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए भूमि का संवर्धन करना है। भारतीय मूल के अमेरिकी मृदा वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल का योगदान कितना महत्वपूर्ण है, इस बात का पता उनको सम्मान देने की घोषणा करते हुए कहे गये शब्दों से चलता है 'उन्होंने चार महाद्वीपों के विकास में योगदान दिया है। ये उनकी तकनीक का ही नतीजा है कि आज 50 करोड़ से अधिक छोटे किसान अपनी आजीविका को सुधारने में कामयाब हुए हैं। जबकि दो अरब से अधिक लोगों के आहार-पोषण की पक्की व्यवस्था के प्रयासों में काफी सकारात्मक बदलाव आया है।' अमेरिकी प्रतिष्ठित संस्था वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन द्वारा स्थापित यह पुरस्कार वर्ष 1987 से दिया जा रहा है। दरअसल, यह सम्मान डॉ. रतन लाल की अभिनव मृदा संरक्षण तकनीकों को प्रोत्साहित के लिए उनकी पांच दशक से अधिक की साधना का सुफल बताया जा रहा है। उनकी तकनीक प्राकृतिक उष्ण कटिबंधीय परिस्थितिकीय तंत्र वाली करोड़ों हेक्टेयर भूमि को बचाती है। पुरस्कार देने के दौरान उनके योगदान की चर्चा करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा 'डॉ. रतन लाल ने किसानों को बेहतर मैनेजमेंट, मिट्टी के कम कटाव और प्राकृतिक तरीके से मिट्टी में पोषक तत्वों को बनाए रखना सिखाया है। आज जब दुनिया की आबादी लगातार बढ़ रही है, हमें उन संसाधनों की जरूरत है, जिससे उत्पादकता बढ़े और पर्यावरण मिट्टी को नुकसान न हो। मिट्टी पर डॉ. लाल द्वारा की गई रिसर्च से पता चला है कि इसका समाधान हमारे पास है।' पुरस्कार मिलने पर डॉ. रतन लाल ने कहा 'मुझे इस पुरस्कार का मिलना मिट्टी की गुणवत्ता को बरकरार रखने और उसके प्रबंधन के महत्व को दर्शाता है। हमें धरती मां की तरफ और ध्यान देना चाहिए। हमारे शास्त्र और पुराण कहते हैं कि हमें धरती मां का सम्मान करना चाहिए। इसलिये इस पुरस्कार के मेरे लिये खास मायने हैं।' विशेषज्ञों का मानना है कि मृदा वैज्ञानिक के शोध ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए मिट्टी में वायुमंडलीय कार्बन को बनाए रखने की राह दिखाई है। इसकी बेहतर समझ के साथ खाद्यान्न उत्पादन में सुधार संभव है। शोध का मॉडल बताता है कि वर्ष 2100 तक इसके कई लाभ हो सकते हैं। मसलन बढ़ती आबादी को भोजन देने के लिए वैश्विक अनाज की पैदावार को दुगना करना संभव है। जबकि अनाज की खेती के तहत भूमि क्षेत्र में तीस प्रतिशत की कमी और उर्वरक का आधे से कम उपयोग करना शामिल है। पुरस्कार पाने वाले डॉ. रतन वर्तमान में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में मृदा विज्ञान के प्रोफेसर हैं और विश्वविद्यालय के कार्बन प्रबंधन और पृथककरण केंद्र के संस्थापक निदेशक हैं। भारतीय दर्शन के अनुरूप सोच रखने वाले प्रो. लाल का मानना है कि हम दुनिया में भूख की चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाया गया भोजन स्वास्थ्यवर्धक है। साथ ही स्वस्थ मिट्टी, पौधों, जानवरों, लोग और पर्यावरण एक अविभाज्य अवधारणा है। अविभाजित भारत में पश्चिमी पंजाब के करयाल में 1944 में जन्मे डॉ. रतन लाल का परिवार देश की आजादी के बाद विस्थापित होकर हरियाणा के राजौंद में एक शरणार्थी के रूप में आया। राजौंद में उनके पिता ने कुछ एकड़ जमीन हासिल करके पारंपरिक खेती की तकनीकों का इस्तेमाल किया।

डॉ. रतन ने पंजाब के कृषि विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,दिल्ली से एम.एससी. की। कालांतर वर्ष 1965 में पीएच.डी. करने के लिए ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी चले गये। बाद में वे आस्ट्रेलिया और नाइजीरिया भी गए। उन्होंने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका में मिट्टी के संरक्षण प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया। उल्लेखनीय है कि नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग द्वारा वर्ष 1986 में स्थापित वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन द्वारा यह पुरस्कार 1987 से दिया जा रहा है। यह गर्व की बात कि पहला पुरस्कार प्रतिष्ठित भारतीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस स्वामीनाथन को दिया गया था। भारतीय मूल के अमेरिकी सॉइल साइंटिस्ट डॉ. रतन लाल ने पुरस्कार पाते वक्त भावविभोर होकर कहा कि मुझे दुनियाभर के किसानों के लिए काम करने का विशेष अवसर और सम्मान मिला है। सही मायनों में खेती की परंपरागत पद्धति में नई तकनीक से खेती में पानी की बचत करके तथा मिट्टी के पोषक तत्व संरक्षित करके डॉ. रतन ने मानवमात्र के कल्याण हेतु नया मार्ग प्रशस्त किया है।

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)

यूको बैंक का चौथी तिमाही शुद्ध लाभ 16.78 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमही में 16.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। गैर निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में कमी तथा इसके एवज में प्रावधान घटने से बैंक मुनाफे में लौटा है। कोलकाता मुख्यालय वाले बैंक को इससे पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 1,552.03 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। बीते वित्त वर्ष की तीसरी यानी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में भी बैंक को 960.17 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बैंक ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय बढ़कर 4,511.21 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,148.52 करोड़ रुपये थी। डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्चों के लिए बैंक का प्रावधान घटकर 1,199.82 करोड़ रुपये पर आ गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,242.58 करोड़ रुपये रहा था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में बैंक का शुद्ध घाटा कम होकर 2,463.83 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में बैंक को 4,321.08 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष के दौरान बैंक की आय बढ़कर 18,005.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 15,844.14 करोड़ रुपये थी। संपत्ति के मोर्च पर बात की जाए, तो 31 मार्च, 2020 को बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल ऋण का 16.77 प्रतिशत रह गईं। एक साल पहले यह 25 प्रतिशत थीं।

हाजिर मांग बढ़ने से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे शुक्रवार को वायदा कारोबार में एल्युमीनियम की कीमत 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 135.65 रुपये प्रति किग्रा हो गई। एमसीएक्स पर एल्युमीनियम के जुलाई माह में डिलिवरी के अनुबंध की कीमत 15 पैसे अथवा 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 135.65 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। इसमें 859 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की कुछ मांग होने के बाद व्यापारियों की ताजा लिवाली से यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी आई।

घरेलू तेल उद्योग पर सस्ते खाद्य तेलों के आयात का दबाव, पिछले कुछ महीनों में 30 प्रतिशत तक टूटा बाजार

नयी दिल्ली। स्थानीय तेल तिलहन बाजार में सस्ते खाद्य तेलों के आयात का दबाव जारी है। देशी तेल विदेशों से होने वाले सस्ते आयातित तेल के कारण सीमित दायरे में बोले जा रहे हैं। बाजार सूत्रों का कहना है कि सरकार को सस्ते आयातित तेलों पर शुल्क बढ़ाने से घरेलू तिलहन उत्पादक किसानों के उत्पादों के भाव विदेशी सस्ते तेलों से प्रतिस्पर्धा कर पायेंगे। इस कदम से सरकार को राजस्व का फायदा भी होगा, वहीं घरेलू तेल उद्योग पूरी क्षमता से काम कर पायेंगे और रोजगार भी बढ़ेगा। सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों की आवक बढ़ने से सरसों, मूंगफली और सोयाबीन जैसे देशी तेलों के बाजार पर दबाव है। पिछले कुछ महीनों के दौरान इन तेलों का बाजार 30 प्रतिशत से कहीं अधिक ही टूट चुका है। लॉकडाऊन उठने के बाद बाजार में सस्ते आयातित तेलों की मांग बढ़ी है। इसका खामियाजा घरेलू उत्पादकों को भुगतना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को उचित कदम उठाने चाहिये। उन्होंने कहा कि मंडियों में सोयाबीन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग पांच प्रतिशत नीचे बिक रही है जबकि नये भाव के अनुसार वहां यह कीमत लगभग 10 प्रतिशत कम है। वायदा कारोबार में भी सोयाबीन का भाव लगभग पांच प्रतिशत टूटा हुआ है। ऐसे में सोयाबीन की बिजाई प्रभावित हो सकती है। मूंगफली दाना - 4,835 - 4,885 रुपये। वनस्पति घी- 990 - 1,095 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 13,160 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,950 - 2,000 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 9,570 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,540 - 1,680 रुपये प्रति टिन।

होंडा मोटर ने पेश की बीएस-6 मानक वाली मोटरसाइकिल, कीमत 72,900 रुपये

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भारत चरण (छह) मानकों वाली मोटरसाइकिल एसपी 125 पेश की है। दिल्ली में इसकी कीमत 72,900 रुपये (एक्स-शोरूम) है। नई मोटरसाइकिल कंपनी की 125 सीसी मॉडल सीबी शाइन एसपी का स्थान लेगी। हालांकि दो पहिया वाहन बनाने वाली जापान की कंपनी बीएस चार मानकों वाली सीबी शाइन को बेचना जारी रखेगी एचएमएसआई के अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक मिनोरू कातो ने कहा कि नया मॉडल 125 सीसी मोटरसाइकिल खंड में प्रौद्योगिकी, स्टाइल और प्रदर्शन के मामले में आगे है। नया मॉडल निवर्तमान मॉडल के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत महंगा है। लेकिन ईंधन दक्षता के मामले में 16 प्रतिशत बेहतर है। एचएमएसआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री और विपणन) यदविन्दर सिंह गुलेरिया ने कहा कि कंपनी की 12सीसी की बाइक की श्रेणी में बाजार हिस्सेदारी 39 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कंपनी 125 सीसी की 80 लाख मोटरसाइकिल बेच चुकी है। गुलेरिया ने कहा, ''एसपी 125 का उत्पादन शुरू हो गया है और मॉडल इस महीने के अंत तक डीलरों के पास पहुंचने लगेगा।''

सेबी ने कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दो कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे नियामक के नियामकीय कामकाज का क्रियान्वयन अधिक तेजी और दक्षता से हो सकेगा। सेबी ने शुक्रवार को सार्वजनिक सूचना में कहा है कि कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति तीन साल के लिए अनुबंध या प्रतिनियुक्ति आधार पर होगी। सेबी ने दो कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 17 जुलाई, 2020 है। इन पदों के लिए आवदेन करने वाले उम्मीदवारों के पास प्रतिभूति बाजार की समस्याओं के समाधान का कम से कम 20 साल का अनुभव होना चाहिए। या फिर उन्हें विधि, विशेष ज्ञान या अनुभव होना चाहिए। जांच, वित्त, अर्थशास्त्र और लेखा का विशेष ज्ञान या अनुभव होना चाहिए। सेबी ने कहा है कि आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 30 जून, 2020 तक 40 साल से कम और 55 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। फिलहाल सेबी के कार्यकारी निदेशकों की संख्या आठ है। इससे पहले जनवरी में बबीता रायडू ने सेबी के कार्यकारी निदेशक का पद संभाला था।

पॉपकॉर्न के शौकीनों की जेब पर बढ़ेगा बोझ, देना पड़ेगा 18 फीसदी जीएसटी

बिजनेस डेस्क। देश में खाने के ज्यादातर सामान पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर पांच फीसदी है। हाल ही में अथॉरिटी ऑफ एडवांस रूलिंग की कर्नाटक पीठ ने पराठे पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने का फैसला किया गया था। अब पॉपकॉर्न को सामान्य खाने से हटाकर खास क्लब में शामिल किया गया है। पॉपकॉर्न पर भी 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया गया है। वहीं कॉर्न यानी मक्के के पैकेट पर पांच फीसदी की दर से ही जीएसटी लगेगा। पर अथॉरिटी फॉर एडवांस्ड रूलिंग (एएआर) के फैसले के अनुसार खाने के लिए तैयार पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। इस संदर्भ में विशेषज्ञों का कहना है कि मोदी सरकार यह सोचकर जीएसटी सिस्टम लाई थी कि पूरे देश में एक टैक्स लागू हो और इससे कारोबार में भी आसानी होगी। साथ ही टैक्स कलेक्शन बढ़ेगा लेकिन कई उत्पादों पर सैकड़ों क्लासिफिकेशन नॉर्म हैं, जो व्यवसायियों और उपभोक्ताओं को कनफ्यूज करते हैं। मामले में पॉपकॉर्न बनाने वाली सूरत की कंपनी जय जलाराम एंटरप्राइजेज ने एएआर से अपील की है। कंपनी ने आग्रह किया है कि उसके उत्पाद पर 5 फीसदी की दर से ही जीएसटी लगे, जीएसटी लगे, क्योंकि इसमें कॉर्न है, जो अनाज का ही एक प्रकार है। देश में अनाजों पर पांच फीसदी जीएसटी लगता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था गहरे संकट में, पांच प्रतिशत गिरावट का अनुमान: एसएंडपी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में पांच प्रति गिरावट आने का अनुमान है। इस स्थिति को देखते हुये भारतीय अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। एसएंडपी की रिपोर्ट में कहा गया है, ''भारतीय अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। वायरस की रोकथाम में आ रही दिक्कतों, कमजोर नीतिगत प्रक्रिया और अन्य कमजोरियों विशेषरूप से वित्तीय क्षेत्र की दिक्कतों की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत की गिरावट आएगी। हालांकि, अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था की स्थिति सुधरेगी।'' एसएंडपी की 'संतुलन खाते में मंदी से एशिया-प्रशांत का नुकसान 3,000 अरब डॉलर के पास' शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में 1.3 प्रतिशत की गिरावट आएगी। हालांकि, 2021 में क्षेत्र की अर्थव्यवस्था 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसका मतबल है कि इन दो साल में क्षेत्र को करीब 3,000 अरब डॉलर के उत्पादन का नुकसान होगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री शॉन रोशे ने कहा, ''एशिया-प्रशांत ने कोविड-19 पर अंकुश में कुछ सफलता हासिल की है। क्षेत्र ने प्रभावी वृहद आर्थिक नीतियों के जरिये प्रतिक्रिया दी है।'' उन्होंने कहा कि इससे झटके से कुछ बचाव हो सकता है। और साथ ही सुधार का रास्ता तैयार हो सकता है। हालांकि, संतुलना खातों पर दबाव की वजह से अर्थव्यवस्था के सुधार पर दबाव रहेगा। एसएंडपी ने कहा कि एक और जोखिम जो सामने दिख रहा है वह 'संतुलन खाते की मंदी है। इसमें अर्थव्यवस्था का कम से कम एक क्षेत्र... सरकार, कंपनियां या परिवार...अपनी कमजोर वित्तीय स्थिति को बचत के जरिये मजबूत करने का प्रयास करेगा, कर्ज का भुगतान करेगा और खर्च कम करेगा। रोशे ने कहा कि कोविड-19 की वजह से आई गिरावट खाते में मंदी से शुरू नहीं हुई थी, लेकिन संभवतः यह इसके साथ समाप्त होगी। ''इसका मतलब है कि निवेश कम होगा, पुनरोद्धार की रफ्तार सुस्त रहेगी और अर्थव्यवस्था को एक स्थायी चोट पहुंचेगी। यह महामारी की दवा मिलने के बाद भी बनी रहेगी।'' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस महामारी की वजह से गतिविधियां अचानक रुक गईं। इसमें गिरावट को थामने के लिए नीति निर्माताओं ने बैंकों के जरिये कंपनियों और परिवारों को असाधारण वित्तीय समर्थन दिया। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2020 और 2021 के लिए चीन की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 1.2 प्रतिशत एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2020 और 2021 के लिए चीन की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 1.2 प्रतिशत और 7.4 प्रतिशत वृद्धि दर के अनुमान को कायम रखा है।

कोरोना के चलते 15 जुलाई तक इंटरनैशनल हवाई सेवा पर जारी रहेगी रोक

नई दिल्ली। कोरोना के चलते इंटरनैशनल फ्लाइट को लेकर भी सरकार का फैसला आ गया है। सरकार के फैसले के मुताबिक, 15 जुलाई तक भारत से और भारत के लिए इंटरनैशनल कमर्शल फ्लाइट सेवा पर रोक लगी रहेगी। हालांकि, यह प्रतिबंध कारगो ऑपरेशन (माल ढुलाई) और डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से अनुमति प्राप्त उड़ानों पर लागू नहीं होगा। देश में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए 25 मार्च को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था। इस दौरान रेल और विमान सहित सभी प्रकार के परिवहन पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, 31 मई के बाद सरकार ने लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से ढील देनी शुरू की है, को अनुमति दे जिसके तहत घरेलू उड़ानों को अनुमति दे दी गई है।

चीनी सामानों के बहिष्कार जब धडल्ले से बिक रहे हैं स्मार्टफोन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध के बीच देशभर में चीनी सामानों के बहिष्कार को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वह चीनी सामानों का इस्तेमाल न करें और न ही उसे खरीदने के लिए बढ़ावा दें। वहीं सरकार ने भी इस दिशा की तरफ सोचना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्र की मोदी सरकार ने चीनी कम्पनियों पर लगाम लगाने के लिए टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। जिन कम्पनियों का सीधे तौर पर या फिर अप्रत्यक्ष तौर पर चीन की सरकार से लिंक होगा उन पर सरकार प्रतिबंध लगा सकती है। क्योंकि ऐसी कम्पनियां राष्ट्रीय सुरक्षा में बाधा हो सकती हैं। इसी बीच चीनी कम्पनी वन प्लस ने 25 जून को अपने लेटेस्ट स्मार्टफोन वन प्लस 8 प्रो को सेल के लिए उतारा जो कुछ ही मिनटों में आउट-ऑफ स्टॉक हो गया। वन प्लस स्मार्टफोन की सेल एमेजॉन इंडिया और वन प्लस की ऑफिशियल वेबसाइट पर थी। वन प्लस-8 की शुरुआती कीमत 54,999 रुपए है। जो अलग-अलग वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग है। कम्पनी ने वन प्लस 8 के अप्रैल में लॉन्च किया था मगर सेल के जरिए दो महीन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस फोन की अगली सेल 29 जून को होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दिन भी मोबाइल चंद मिनटों में आउट-ऑफ स्टॉक हो जाएगा। इतना ही नहीं कम्पनी ने फोन को डिस्काउंट कूपन के साथ सेल किया है और आगे भी डिस्काउंट जारी रह सकता है। भारत में अगर हम चीनी स्मार्टफोन की हिस्सेदारी की बात करें तो यह लगातार बढ़ती ही जा रही है। साल 2018 में 80 फीसदी थी जो 2019 में बढ़कर 71 फीसदी हो गई। हालांकि 2020 में कोरोना महामारी की वजह से ज्यादातर बाजार बंद रहे लेकिन पहली तिमाही में स्मार्टफोन बाजाप में चीनी कम्पनियों का कब्जा बढ़कर 81 फीसदी हो गया है। चीनी कम्पनियों की बढ़ती हिस्सेदारी के पीछे भारतीय स्मार्टफोन कम्पनियों का भी हाथ बताया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय कम्पनियों ने लोगों के बीच तक अपनी पहुंच सही ढंग से नहीं बनाई। जबकि चीनी कम्पनियां इंसान की नब्ज पहचानती हैं। उन्हें पता है कि कम कीमत में लोगों को सारी सुविधाएं चाहिए और क्वालिटी भी अच्छी हो। ऐसे में चीनी कम्पनियों ने लगातार इन तमाम पहलुओं पर काम किया। जबकि भारतीय कम्पनियां अभी भी खुद को बेहतर करने में लगी हुई हैं। यही हाल रेडमी का भी है। कम्पनी ने नोट 9 प्रो मैक्स स्मार्टफोन की सेल शुरू की है। 6.67 इंच डिस्प्ले के साथ फोन में कम्पनी ने ट्रिपल कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 5 का इस्तेमाल किया है।

साथ ही साथ कम्पनी ने स्मार्टफोन में जान फूंकने के लिए 5020 एमएच की बैटरी दी है। जैसे ही कम्पनी ने इसे सेल के लिए उतारों उसके ठीक 5 मिनट के भीतर ही ये फोन आउट-ऑफ स्टॉक हो गया। एक तरफ देशभर में चीनी सामानों के बहिष्कार का मुद्दा गर्म है तो दूसरे तरफ चीनी स्मार्टफोन का बोलबाला है। महीनों लोग सिर्फ मोबाइल फोन की सेल का इंतेजार करते हैं और कम्पनी जितने फोन सेल के लिए उतारती है वह चंद मिनटों में ही समाप्त हो जाते हैं।

बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में नहीं है वित्त मंत्रालय: दूरसंचार विभाग

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्रालय सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में नहीं है। दूरसंचार विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह संकेत दिए। यह पूछे जाने पर कि क्या वित्त मंत्रालय बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में है , इस पर दूरसंचार विभाग के सचिव अंशु प्रकाश ने कहा , यह जानकारी गलत है। दुरसंचार सचिव ने मोबाइल टावर से जुड़े उद्योग संगठन ताइपा की सालाना आम बैठक के मौके पर अलग से यह बात कही। गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई वाले मंत्रियों के समूह ने दूरसंचार विभाग की प्रस्तावित पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी है। मंत्रियों के समूह ने जुलाई में घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनियों के पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित पैकेज को मंजूरी दे दी थी। इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और दूरसंचार मंत्री रविशंकर प्रसाद भी थे। हालांकि , बाद में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस प्रस्ताव पर 80 से अधिक आपत्तियां उठा दी थीं। दूरसंचार मंत्रालय ने बीएसएनएल के उद्धार के लिए 74,000 करोड़ रुपये की योजना का प्रस्ताव किया है , क्योंकि इसको बंद करने में भी सरकार को 95,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। इस योजना में कर्मचारियों की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए 29,000 करोड़ रुपये , 4 जी स्पेक्ट्रम के लिए 20,000 करोड़ रुपये और 4 जी सेवाओं को पूंजीगत खर्च के वित्तपोषण के लिए 13,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

कोरोना वैक्सीन पर बिल गेट्स ने जताई चिंता, दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

दुनिया भर की निगाहें इन दिनों कोरोना वायरस की वैक्सीन पर टिकी हैं। अलग-अलग देशों में वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल पर काम चल रहा है लेकिन अभी तक वैक्सीन को लेकर कोई ठोस नतीजे सामने नहीं आए हैं। इस बीच माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने कहा है कि वैक्सीन आने पर भी इस बात की कोई गारंटी नहीं होगी कि किसी को कोरोना नहीं होगा। बता दें कि उनकी संस्था बिल एंड मिलिंडा गेट्स ने कोरोना की वैक्सीन तैयार करने के लिए 40 अरब डॉलर (करीब 3 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा खर्च करने की तैयारी में है। अमेरिका के सीएनएन से बातचीत करने हुए बिल गेट्स ने कहा कि इस साल के अंत तक या फिर अगले साल के शुरुआत में कोरोना की वैक्सीन आ जाएगी। गेट्स के मुतबिक वैक्सीन के दो फायदे हैं। पहला ये कि आपको ये बीमार होने से बचाएगी। दूसरा ये कि इससे कोरोना को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वैक्सीन आने के बाद आप कोरोना से बच जाएंगे। दरअसल उन्होंने तर्क देते हुए कहां, इस वैक्सीन की तुरंत जरूरत है। ऐसे में डॉक्टर के पास इसे अलग-अलग उम्र के लोगों और प्रेगनेंट महिलाओं पर क्लीनिकल ट्रायल करने का कम समय है। ऐसे में सटीक सेफ्टी डेटा बेस तैयार करना मुश्किल काम होगा। इस बीच बिल गेट्स ने दुनिया भर में कोरोना के बढ़ते मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इस महामारी को रोकने के लिए कुछ खास कदम नहीं उठाए हैं। गेट्स ने कहा कि ज्यादा टेस्टिंग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कई लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस के इन दावों को खारिज कर दिया कि ज्यादा टेस्ट होने से अमेरिका में कोरोना में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि ये तर्क पूरी तरह से गलत है । बता दें कि कोरोना वायरस का संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। खास कर अमेरिका में तो इस खतरनाक वायरस ने तबाही मचा दी है। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 37077 नए केस सामने आए हैं, ये अब तक का रिकॉर्ड है। इसके अलावा यहां एक दिन में ही 2430 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के मुताबिक अमेरिका में अब तक 24 लाख से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हैं। जबकि यहां अब तक 124,410 लोगों की मौत हो चुकी है।

तेल, गैस खोज नियमों को सरल किया गया, कुओं में खोज से लेकर उत्पादन करने के समय में कटौती की गई

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के तेल खोज क्षेत्र के नियामक हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने तेल एवं गैस कुओं में खोज से संबंधित प्रक्रियाओं को आसान बनाया है। इससे कुओं में खोज के बाद उनसे जल्द से जल्द उत्पादन शुरू करने में मदद मिलेगी। डीजीएच ने तेल एवं गैस के कुओं की खोज के बाद जल्द से जल्द व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने से संबंधित दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि अब कंपनियां समय व्यर्थ करने वाली कागजी कार्रवाई पूरी किये बिना खोजे गये किसी भी तेल एवं गैस के कुओं से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर सकती हैं। सरकार के साथ तेल एवं गैस कंपनियों के अनुबंध में दरअसल नये खोजे गये कुओं के विकास व उनसे व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने में में सबसे ज्यादा समय लगता है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय ने कहा, ''इन समयसीमा के भीतर एक प्रारंभिक चरण में खोजे गये कुओं से व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने पर कोई पाबंदी नहीं है। यह तो बल्कि सार्वजनिक हित में होगा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में खोजे गये कुओं से तत्काल व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया जाये।'' डीजीएच ने कंपनियों को मूल्यांकन, व्यावसायिकता (डीओसी) की घोषणा और विकास योजना प्रस्तुत करने से पहले ही प्रारंभिक चरण की खोजों

(खोजे गये कुओं) को विकसित करने तथा उनसे व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने की अनुमति दे दी। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि एक बार एक कंपनी तेल एवं गैस के कुओं को खोज लेती है, तब यह सीधे उत्पादन शुरू कर सकती है और इसे बेच सकती है। पहले, कंपनियों को किसी भी खोज के मूल्यांकन के बाद व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य साबित करने के लिये दस्तावेज दर्ज करने की आवश्यकता होती थी। उन्हें एक निवेश योजना प्रस्तुत करने और उत्पादन प्रोफाइल के लिये एक प्रस्ताव पेश करने की आवश्यकता भी होती थी।

भारत को अगले 2 वर्षों में हो सकता है 31 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन नुकसान: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 के कारण पैदा हुई आर्थिक अव्यवस्था के चलते भारत को अगले दो वर्षों में 438 बिलियन डॉलर करीब 31.5 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन का नुकसान हो सकता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ताजा इकोरैप रिपोर्ट में यह बात कही गई है। आईएमएफ के 2020 में गहरी मंदी और 2021 में धीमी रिकवरी के अनुमान के आधार पर एसबीआई की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एसबीआई इकोरैप रिपोर्ट में 2020 में वैश्विक उत्पादन में 4.9 फीसदी की कमी रहने का अनुमान जताया गया है। हालांकि, आंशिक रिकवरी की बदौलत 2021 में 5.4 फीसदी का ग्रोथ रहने की बात कही गई है। रिपोर्ट में अगले दो सालों में इस संकट के कारण 12.5 लाख करोड़ डॉलर के उत्पादन का अनुमानित नुकसान होने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 3.5 फीसदी है। ऐसे में भारत को 438 बिलियन डॉलर करीब 31.5 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन का नुकसान हो सकता है। एसबीआई की ओर से इससे पहले जारी की गई इकोरैप रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2021 में भारत की जीडीपी ग्रोथ में 6.8 फीसदी की गिरावट का अनुमान जताया गया था। हालांकि, रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई थी कि अनुकूल बेस इफेक्ट के कारण वित्त वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था अनुकूल बेस इफेक्ट के कारण वित्त वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था में रिकवरी वी (ङ्क) शेप में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, यदि यह बेस इफेक्ट कारगर साबित नहीं होता है तो भारतीय अर्थव्यवस्था को रिकवरी में चार साल तक का समय लग सकता है। इकोरैप रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड-19 संकट के कारण भारत में प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) में भी गिरावट होगी। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2021 में पीसीआई में 5.4 फीसदी की गिरावट होगी और यह गिरकर 1.43 रुपए पर आ जाएगी। यह नॉमिनल जीडीपी की गिरावट से ज्यादा होगी। वित्त वर्ष 2021 में भारत की नॉमिनल जीडीपी 3.8 फीसदी की गिरावट का अनुमान है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

विश्व टीम टेनिस प्रतियोगिता में 15वीं बार हिस्सा लेंगी वीनस विलियम्स

वाशिंगटन। वीनस विलियम्स पश्चिमी वर्जीनिया में 12 जुलाई से शुरू होने वाली विश्व टीम टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। यह 15वां अवसर होगा जबकि विश्व की यह पूर्व नंबर एक खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेलेगी। वीनस इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली नौ टीमों में से वाशिंगटन कैस्टल्स का प्रतिनिधित्व करेगी। यह टूर्नामेंट तीन सप्ताह तक चलेगा। इस प्रतियोगिता के मैच आम तौर पर देश के विभिन्न स्थलों में खेले जाते हैं लेकिन कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए आयोजकों ने इस बार इसका आयोजन एक स्थल पर करने का फैसला किया है। वीनस ने अपने करियर में सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं जिनमें पांच विंबलडन और दो यूएस ओपन के खिताब शामिल हैं। उन्होंने अपनी छोटी बहन सेरेना के साथ मिलकर 14 महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब भी जीते हैं। विश्व टीम टेनिस के आउटडोर कोर्ट पर खेले जाने वाले प्रत्येक मैच में 500 दर्शकों को आने की अनुमति होगी। इंडोर कोर्ट में केवल 200 दर्शकों और 50 कर्मचारियों को ही आने की अनुमति मिलेगी।

शतरंज

भारत की वैशाली का कमाल - फीडे महिला स्पीड ग्रां प्री के सेमी फ़ाइनल मे पहुंची

मॉस्को (एजेंसी)।

विश्व शतरंज संघ द्वारा ऑनलाइन महिला शतरंज के अब तक के सबसे बड़े आयोजन महिला स्पीड शतरंज मे भारत की युवा ग्रैंडमास्टर आर वैशाली नें अपने प्रदर्शन से सभी को बेहद प्रभावित किया है । पहले तो उन्होने ग्रां प्री मे जगह बनाकर तीसरी भारतीय होने का गौरव हासिल किया और अब प्री क्वाटर फ़ाइनल के बाद क्वाटर फ़ाइनल भी जीतकर सेमी फ़ाइनल मे पहुँचने वाली पहली भारतीय बन गयी है । यह उपलब्धि इसीलिए भी खास है क्यूंकी इस दौरान शतरंज के तीनों फॉर्मेट क्लासिकल ,ब्लिट्ज़ और रैपिड की विश्व चैम्पियन क्रमशः चीन की जू वेंजून ,रूस की लागनों काटेरयना और भारत की कोनेरु हम्पी प्रतूयोगिता के क्वाटर फ़ाइनल मे भी जगह नहीं बना सकी और बाहर हो गयी । वैशाली नें क्वाटर फ़ाइनल में मंगोलिया की अंतरराष्ट्रीय मास्टर मुनखजुल तुरमुंख को हराकर फीडे ऑनलाइन ग्रां प्री के पहले चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश किया । दोनों के बीच हुए 11 मुकाबलो में वैशाली नें 7.5-3.5 से बड़ी जीत हासिल की । इससे पहले उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन एंटोनेता स्टेफनोवा को 6-5 से हराकर उलटफेर किया था। अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में उनका सामना ग्रैंडमास्टर अन्ना उशेनिना से होगा। एक अन्य क्वार्टरफाइनल में वालेंटिना गुनिना ने विश्व चैम्पियन जु वेंजुन के खिलाफ 0-3 से वापसी करते हुए 7.5 - 3.5 से जीत हासिल की। वहीं एलेंक्सांद्रा कोस्तेनियुक और अन्ना उशेनिना ने अपने अपने क्वार्टरफाइनल मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। एलेक्सांद्रा ने लि थाओ एनगुएन और अन्ना ने कैटरिना लागनो को मात दी। मौजूदा विश्व रैपिड चैंपियन हंपी को पहले चरण में वियतनाम की अपनी प्रतिद्वंद्वी ली थाओ नगुएन फाम से 4.5 - 5.5 से हार का सामना करना पड़ा। वैशाली नें कहा, ''पूर्व विश्व चैंपियन का सामना करना और उसमें जीत दर्ज करना शानदार अनुभव रहा। पहले घंटे के बाद मैं 5.5-2.5 से बढ़त पर थी लेकिन इंटरनेट कनेक्शन गड़बड़ा जाने से मैंने कुछ समय गंवाया जिससे मुझे नुकसान हुआ। चेन्नई की रहने वाली वैशाली युवा शतरंज ग्रांडमास्टर आर प्रग्गानंधा की बहन है। उन्होंने 2017 में एशियाई ब्लिट्ज चैंपियनशिप जीती थी। यह ग्रां प्री चार चरणों में होगी जिसमें कुल 21 खिलाड़ी भाग लेंगी। इनमें से हर खिलाड़ी को चार में तीन चरणों में भाग लेना है। प्रत्येक ग्रां

11 महीने बाद विजय शंकर का खुलासा, कहा- विश्व कप के मैच में पाक फैंस ने दी थी गालियां

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

टीम इंडिया के युवा ऑलराउंडर खिलाड़ी विजय शंकर ने खुलासा करते हुए कहा कि पिछले साल यानी विश्व कप 2019 में जब 16 जून 2019 को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला गया था, तब कुछ पाकिस्तान कुछ फैंस ने मैच शुरू होने से पहले भारतीय खिलाड़ियों पर भद्दी टिप्पणियां और गालियां निकाली थी। बता दें, ये मैच इंग्लैंड के मैनचेस्टर शहर में खेला गया था। जिसमें भारत ने जीत हासिल की थी। दरअसल, एक वेबसाइट से बातचीत के दौरान शंकर ने कहा, तो मैच से एक दिन पहले, उन्होंने मुझसे कहा, तैयार हो, तुम खेलोगे। और मैं कहा, ठीक है। उन्होंने कहा, हममें से कुछ खिलाड़ी मैच से एक दिन पहले कॉफी पीने बाहर गए थे, जब एक पाकिस्तानी फैन हमारे पास आया और वह हमें गालियां दे रहा था। विजय ने आगे कहा कि ये मेरा भारत-पाकिस्तान मैच का पहला अनुभव था। हमें इसे झेलना पड़ा। वह हमें गालियां दे रहा था और सबकुछ रिकॉर्ड कर रहा था, इसलिए हम प्रतिक्रिया नहीं दे सके। हम केवल इतना कर सके कि वह जो कर रहा था उसे बैठकर देखते रहे। गौरतलब है कि भारत ने पिछले साल आज ही के दिन पाकिस्तान को 89 रनों से हराते हुए वर्ल्ड कप में उन पर लगातार सातवीं जीत दर्ज की थी। 16 जून 2019 को मैनचेस्टर में खेले गए इस महामुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड कप में अपने अजेय क्रम को बकरार रखा। इस मैच में रोहित शर्मा ने 140 रन बनाए थे जबकि कप्तान विराट कोहली ने 77 रनों की पारी खेली थी।

सचिन से पिटने वाले हैनरी ओलंगा अब बन गए हैं गायक, ऐसे बदली थी दुनिया

नई दिल्ली । 90 के दौर में भारतीय बल्लेबाजों के लिए खौफ पैदा करने वाले जिमबाब्वे के तेज गेंदबाज अब बतौर सिंगर जिंदगी गुजार रहे हैं। केन्या में जन्मे हैनरी हाई स्कूल में ही प्रसिद्ध हो गए थे। वह पहली बार 1995 में जिमबाब्वे की टीम में चुने गए थे। उनका कार्यकाल छोटा रहा। वह 30 टेस्ट और 50 वनडे ही खेल पाए। ओलंगा ने 2003 क्रिकेट विश्व कप के दौरान अपनी बाजू पर काली पट्टी बांधी थी। दरअसल, ओलंगा जिमबाब्वे में कमजोर लोकतंत्र को लेकर नाराज थे। इस काम में ओलंगा के साथ तब एंडी फ्लावर भी शामिल थे। ओलंगा की इस हरकत पर जिमबाब्वे क्रिकेट बोर्ड काफी गुस्से में नजर आया। उनपर देशद्रोह के आरोप लगे। जान से मारने की धमकियां मिलीं। अरेस्ट वारंट भी निकले। लेकिन ओलंगा इन सबसे ऊपर उठ चुके थे। उन्होंने इंगलैंड में अपना घर बनाया। 2004 में ही उन्होंने फिजिकल एजुकेशन की टीचर तारा रीड के साथ शादी कर ली। दो साल बाद ही ओलंगा सिङ्क्षगग रियालिटी शो 'द ऑल स्टार टैलेंट शो' जीते। उन्हें ओवरऑल 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। इसी साल उनकी म्यूजिक एलबम औरेलिया भी आई। इस दौरान दुनिया भर में वह छोटे-छोटे कंसर्ट करते रहे। अब साल ओलंगा को 'द वायस ऑस्ट्रेलिया' में देखा गया था। गायकी का क्षेत्र चुनने पर ओलंगा ने कहा- जब आप भारत में क्रिकेट खेल रहे हो तो स्टेडियम में मौजूद 60 हजार दर्शक आपकी इज्जत नहीं करेंगे। इज्जत सिर्फ सचिन की होगी। वहीं, इसके ऊलट गायकी के वक्त आपको एक हॉल में कुछ ही लोगों के सामने परफार्म करना होता है। इसमें प्रैशर काफी कम होता है। बता दें कि हैनरी ओलंगा को शारजहा के मैदान पर भारतीय टीम के खिलाफ दी गई यादगार परफार्मेंस के लिए याद किया जाता है।

थप्पड़ कांड पर एस श्रीसंत ने खोला राज, उस समय रोए और गिड़गिड़ाए

स्पोर्ट्स डेस्क(एजेंसी) ।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने हरभजन सिंह को साथ 2008 में हुआ थप्पड़ कांड पर खुलासा करते हुए कहा कि वह भज्जी को उस समय सजा नहीं दिलाना चाहते थे, बल्कि इसके लिए वह रोए भी थे। बात दें, भज्जी को लीग के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया। उन्हें उनकी फीस 3.75 करोड़ रुपए भी नहीं मिली। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान श्रीसंत ने कहा, सचिन पाजी (सचिन तेंडुलकर) की वजह से सब कुछ निपट गया था। उन्होंने कहा तुम दोनों एक ही टीम में खेलते हो। मैं कहा सब ठीक है। मैं जाऊंगा और उनसे मिलूंगा। हम मिले और उसी रात को साथ डिनर किया लेकिन मीडिया इसे अलग ही स्तर पर ले गया। श्रीसंत ने आगे कहा, यहां तक कि नानावती सर के सामने भी, उनके पास इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग होगी या नहीं जहां मैं उनके सामने रो रहा हूं और गिड़गिड़ा रहा हूं कि भज्जी पा को बैन न करें या कोई दूसरा ऐक्शन न लें, हम साथ खेलने वाले हैं। मैं उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता क्योंकि वह एक मैच-विनर हैं। मैं भज्जी पा के साथ मैच जीतना चाहता हूं क्योंकि मैं उन्हें अपना बड़ा भाई मानता हूं... इसका एक वीडियो भी है... मुझे नहीं पता कि वह आपको यह देंगे या नहीं। आप नानावती सर से पूछ सकते हैं। गौरतलब है कि 2007 टी20 विश्व कप हो या 2011 एकदिवसीय विश्व कप, दोनों ही मैच विनिंग टीम का हिस्सा रहे एस श्रीसंत को 2013 में मैच फिक्सिंग विवादों के फंसे थे। राजस्थान रॉयल्स के श्रीसंत व उनके 2 साथी खिलाड़ी अजीत चांडिला और अंकित छवन को गिरफ्तार किया था।

बीसीसीआई ने इसके बाद तीनों खिलाड़ियों पर लाइफटाइम बैन कर दिया था। जिसके बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट से बैन से मुक्ति मिल गई थी।

संक्षिप्त समाचार

मैकेंजी ह्यूज ने 60 का कार्ड खेलकर तीन शॉट की बढ़त बनाई

क्रोमवेल । मैकेंजी ह्यूज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पीजीए टूर के ट्रैवलर्स गोल्फ चैंपियनशिप के पहले दौर में दस अंडर 60 का कार्ड खेला और तीन शॉट की बढ़त बनाई। कुछ खिलाड़ियों के कोरोना वायरस के कारण टूर्नामेंट से हटने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो कनाडा के 29 वर्षीय मैकेंजी के पास पीजीए टूर में 60 से कम स्कोर का मौका था लेकिन अंतिम होल में वह 40 फुट से बर्डी बनाने से चूक गए। पीजीए टूर में अभी तक केवल 11 अवसरों पर एक दौर में 60 से कम का स्कोर बना है। जिम फ्यूरी ने चार साल पहले इसी टीपीसी रिवर्स हाइलैंड्स गोल्फ कोर्स पर 12 अंडर 58 का कार्ड खेला था जो किसी टूर प्रतियोगिता में न्यूनतम स्कोर है।

नशे की बजाय फुटबाल के आदी बनें युवा: विजयन

नयी दिल्ली। महान फुटबॉलर आई एम विजयन ने देश के युवाओं से शुक्रवार को आग्रह किया कि वे नशे के नहीं, फुटबॉल के आदी बने । पूर्व कप्तान ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के मौके पर कहा कि नशीली दवाओं में त्वरित राहत तलाशने की बजाय युवाओं को फुटबॉल मैदान पर उतरना चाहिये । उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की एक विज्ञप्ति में कहा ,''यह शरीर को फिट बनाये रखने में मदद करता है । फिट रहने के लिये अच्छी खुराक और आठ घंटे की नींद जरूरी है । इसलिये फुटबाल की लत होनी चाहिये, नशीली दवाओं की नहीं ।'' भारत के पूर्व मिडफील्डर रेनेडी सिंह ने कहा कि नशा इंसान को परेशानियों की गर्त में धकेलता है जबकि खेल सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार करते हैं । उन्होंने कहा ,'' खेलों से इतनी सकारात्मकता और ऊर्जा मिलती है कि आप नकारात्मकता और परेशानियों को पीछे छोड़ देते हैं । यह शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से आपको फिट रखता है ।''

रॉय कृष्णा का अनुबंध बढ़ा, अगले साल तक एटीके-मोहन बागान के लिये खेलेंगे

नयी दिल्ली। फिजी के स्टार स्ट्राइकर रॉय कृष्ण ने इंडियन सुपर लीग के आगामी सातवें चरण से पहले टीम एटीके साथ अपना अनुबंध शुक्रवार को अगले साल तक के लिये बढ़ा लिया। मौजूदा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन टीम आई लीग विजेता क्लब के साथ विलय के बाद अब आगामी सत्र से एटीके-मोहन बागान के नाम से खेलेगी। आईएसएल 2019-20 चरण में 32 साल का यह खिलाड़ी शानदार फार्म में था, उसने एटीके के लिये 15 गोल दागे थे जबकि छह गोल करने में मदद की थी। इससे टीम अपना तीसरा लीग खिताब जीतने में सफल रही थी। ''मैं अपने क्लब के साथ फिर से अनुबंध बढ़ाकर खुश हूं। 2019-20 हीरो आईएसएल में खिताब जीतकर सफल सत्र के बाद सवाल ही नहीं उठता था कि मैं चैम्पियन टीम के साथ नहीं रहूंगा। ''

माइकल आथरटन ने माना- रोहित की यह क्वालिटी कर सकती है ऑस्ट्रेलिया में उन्हें सफल

कोलकाता । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथरटन को लगता है कि भारतीय टीम जब साल के आखिरी में ऑस्ट्रेलिया जाएंगे तो सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा शानदार प्रदर्शन करेंगे। आथरटन ने कहा- रोहित स्ट्रोक खेलने की अपनी क्षमता के कारण आस्ट्रेलिया की उछाल वाली पिचों पर सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा- भारतीय बल्लेबाजों को देखने में मुझे इसलिए आनंद आता है क्योंकि वे मुझे बेहद नैसर्गिक लगते हैं। उन पर कोई तकनीकी अपनाने के लिए दबाव नहीं बनाया जाता है। इसके लिए रोहित शर्मा से बेहतर उदाहरण नहीं हो सकता है। आथरटन ने इसके साथ ही भारतीय तेज गेंदबाजों की ऑस्ट्रेलिया में परख होने की बात भी की। आथरटन बोले- भारत जब 2018-19 में आस्ट्रेलिया दौरे पर गया था तो स्मिथ और डेविड वार्नर एक साल का प्रतिबंध झेल रहे थे। भारत ने यह श्रृंखला 2-1 से जीतकर पहली बार आस्ट्रेलियाई धरती पर श्रृंखला अपने नाम की थी।

इंगलैंड के पास 4 ओपनर, चयनकर्ता दुविधा में, यह 2 प्लेयर हैं फेवरेट

लंदन (एजेंसी) ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के चयनकर्ता शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के चयन को लेकर दुविधा में पड़ गए हैं। चयनकर्ता एड स्मिथ, जेम्स टेलर और कोच क्रिस सिल्वरवुड पहले टेस्ट के लिए शीर्ष क्रम को लेकर रॉरी बर्न्स, डोम सिबली, जो डेनली और जैक क्राउली के नामों पर विचार कर सकते हैं। बर्न्स ने पिछले करीब 18 महीनों के दौरान दो शतकों के साथ शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में अपनी दावेदारी मजबूत की है। दक्षिण अफ्रीका दौरे में लगी चोट से बर्न्स पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और ऐसा माना जा रहा है कि वह सलामी बल्लेबाज के रूप में इंग्लैंड की ओर से पारी की शुरुआत करेंगे।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार तीन टेस्ट जीतने में क्राउली, सिबली और डेनली ने इंग्लिश टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। सिबली ने उस सीरीज में अपने करियर का पहला शतक जमाया था। इंग्लैंड का शीर्ष क्रम इस समय उतना मजबूत नहीं है जितना कि पहले था। एंड्रयू स्ट्रास और फिर उसके बाद जॉनाथन ट्रॉट के संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड की टीम में सलामी बल्लेबाज की कमी खलती रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सिबली और बर्न्स सलामी जोड़ी के रूप में इंग्लिश पारी की शुरुआत कर सकते हैं जबकि क्राउली अथवा डेनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर टीम के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती दे सकते हैं। क्राउली ने टीम में खुद के चयन की संभावना को लेकर कहा- मुझे नहीं लगता कि अभी तक कोई फैसला लिया गया है।

मुझे विश्वास है कि आने वाले कुछ सप्ताह में अभ्यास मैच में बेहतर प्रदर्शन कर मैं अपनी दावेदारी को मजबूत कर सकता हूं।

भुवनेश्वर ने याद किए अपने शानदार पल, हैदराबाद के लिए खेलना मेरे करियर का 'टर्निंग प्वाइंट

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेलना उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट रहा क्योंकि इसी दौरान उन्होंने अंतिम ओवरों में गेंदबाजी के दबाव से निपटना सीखा। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण में से हैं और भुवनेश्वर इसके अहम गेंदबाज हैं जिसमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और उमेश यादव शामिल हैं। दरअसल, भुवनेश्वर ने दीप दास गुप्ता ने क्रिकेटबाजी शो में कहा, 'मैं यार्कर डाल सकता था लेकिन फिर मैं इसे भूल गया। सनराइजर्स हैदराबाद में वे मुझसे पारी के शुरू में और अंत में गेंदबाजी कराना चाहते थे। 2014 में मैंने 14 मैच खेले, मैंने इस दौरान दबाव से निपटना सीखा और यह टर्निंग प्वाइंट रहा। उन्होंने कहा, 'मैंने नयी चीजें सीखीं, विशेषकर अंतिम ओवरों में दबाव से निपटना सीखा (सनराइजर्स के लिये खेलते हुए)। भुवनेश्वर ने कहा, 'आईपीएल के दौरान जब मेरे कुछ सत्र अच्छे रहे तो मैं इसी दौर में था। मैं अपनी प्रक्रिया के बारे में इतना ध्यान लगाता था कि नतीजा हमेशा 'दूसरा स्थान ले लेता था। और परिणाम सकारात्मक ही आता था। कोविड-19 महामारी के कारण खेल से दूर रखकर कैसे प्रेरित कर रहे हैं तो भुवनेश्वर ने कहा कि यह आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं लॉकडाउन के पहले 15 दिन काफी प्रेरित था। कोई भी नहीं जानता था कोविड-19 महामारी के कारण खेल से दूर रखकर कैसे प्रेरित कर रहे हैं तो भुवनेश्वर ने कहा कि यह आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं लॉकडाउन के पहले 15 दिन काफी प्रेरित था। कोई भी नहीं जानता था कि यह कितने दिन रहेगा और मेरे पास घर में भी एक्सरसाइज के लिये उपकरण नहीं थे। हमने सोचा कि चीजें दो महीनों में बेहतर हो जाएंगी।

भारत स्मिथ के लिये कैसी रणनीति बनाता है यह देखना दिलचस्प होगा : आथरटन

कोलकाता। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथरटन यह देखने के लिये उत्सुक हैं कि भारत इस साल के आखिर में जब आस्ट्रेलिया का दौरे पर जाएगा तो उसके तेज गेंदबाज स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाज के लिये क्या रणनीति बनाते हैं। भारत जब 2018-19 में आस्ट्रेलिया दौरे पर गया था तो स्मिथ और डेविड वार्नर एक साल का प्रतिबंध झेल रहे थे। भारत ने यह श्रृंखला 2-1 से जीतकर पहली बार आस्ट्रेलियाई धरती पर श्रृंखला अपने नाम की थी। आथरटन ने सोनी टेन के कार्यक्रम 'पिट स्टॉप' में कहा, ''मैं यह देखने के लिये बेहद उत्सुक रहूंगा कि भारत उसके (स्मिथ) लिये कैसी रणनीति बनाता है। उसकी बल्लेबाजी का अलग तरीका है। वह अपरंपरागत है लेकिन मैं उसकी बल्लेबाजी देखने का आनंद लेता हूं। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि खेल तब बेहतर बन जाता है जब उसे कुछ ऐसे लोग खेल रहे हों जिनके खेलने का तरीका पूरी तरह से भिन्न हो। ' आथरटन ने हालांकि कहा कि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा जैसे अच्छे तेज गेंदबाजों की उपस्थिति में मुकाबला बराबरी का बन गया है। उन्होंने कहा, ''भारतीय क्रिकेट प्रशंसक जिस वजह से उम्मीद करेंगे वह उसका मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। अच्छे तेज गेंदबाजी आक्रमण के बिना आस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करना बेहद मुश्किल है। '' आथरटन का इसके साथ ही मानना है कि रोहित शर्मा स्ट्रोक खेलने की अपनी क्षमता के कारण आस्ट्रेलिया की उछाल वाली पिचों पर सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''भारतीय बल्लेबाजों को देखने में मुझे इसलिए आनंद आता है क्योंकि वे मुझे बेहद नैसर्गिक लगते हैं। उन पर कोई तकनीकी अपनाने के लिये दबाव नहीं बनाया जाता है। इसके लिये रोहित शर्मा से बेहतर उदाहरण नहीं हो सकता है।''

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड 2023 में मिलकर कराएंगे महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड ने इससे पहले कभी महिला विश्व कप की मेजबानी नहीं की है। यह पहली बार है कि दोनों देश मिलकर इसका आयोजन करेंगे। टूर्नामेंट 10 जुलाई से 20 अगस्त 2023 के बीच खेला जाएगा। इस बार इसमें 24 के बजाय 32 टीमें हिस्सा लेंगी।

जापान को मिले थे 3.9 अंक

जापान को फीफा के निरीक्षण में 5 में से 3.9 अंक मिले थे। हालांकि, जापान के दौड़ में बने रहने से एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के सात प्रतिनिधियों के मत बंटने की संभावना थी। ऐसा इसलिए क्योंकि ऑस्ट्रेलिया भी एएफसी का सदस्य है। इसके चलते जापान ने खुद को इस दौड़ से अलग कर लिया था। एएफसी के अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहीम अल खलीफा ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि 2023 का महिला फुटबॉल विश्व कप बेहद भव्य होगा।

2015 में ही इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 24 की गई थी

फीफा ने महिला फुटबॉल विश्व कप में 32 टीमों के खेलने को मंजूरी दे दी है। अभी तक इसमें 24 टीमें खेलती थीं। 2015 में ही इसमें भाग लेने वाली टीमों की संख्या 16 से बढ़ाकर 24 की गई थी। पुरुष वर्ग में 1998 से ही 32 टीमें खेलती आ रही हैं। चार बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। उसने पिछले महीने नीदरलैंड को मात देकर रिकॉर्ड चौथी बार विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी। अमेरिका ने सर्वाधिक चार बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। उसने पिछले महीने नीदरलैंड को मात देकर रिकॉर्ड चौथी बार विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी।

फिल्मी दुनिया

हॉलीवुड प्रोड्यूसर ने 55 की उम्र में किया सुसाइड, बिल्डिंग की 27वीं मंजिल से कूदकर की दी जान

लंदन। हॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर प्रोड्यूसर और लेखक स्टीव बिंग का सोमवार को निधन हो गया। स्टीव 55 साल की उम्र में दुनिया से अलविदा कह गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टीव ने खुदकुशी की है, उन्हें कैलिफोर्निया के सेंचुरी सिटी में एक लक्जरी अपार्टमेंट इमारत के बेस पर मृत पाया गया था। सामने आई रिपोर्ट्स के अनुसार, स्टीव बिंग ने लंदन में अपने 27वें मंजिल के अपार्टमेंट से कूद कर जान दे दी। बताया जा रहा है कि वे कोरोना वायरस के कारण आइसोलेशन में थे और इसी के चलते अकेले पड़ने के कारण वो डिप्रेस थे। स्टीव बिंग एक्ट्रेस और मॉडल एलिजाबेथ हर्ली के साथ एक रिलेशन में थे। खबरे थी कि वो एलिजाबेथ हर्ली के बच्चे के पिता भी थे, लेकिन इन खबरों से स्टीव ने इंकार किया था। इसके अलावा वे पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिसा बोंडर साथ भी रिलेशनशिप में रहे थे।

सुशांत की मौत से भावुक हुये शेखर सुमन

मुंबई । छोटे पर्दे के अमिताभ कहे जाने वाले शेखर सुमन ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत से भावुक होकर 'बिहार जिंदाबाद' के नारे लगाये हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत हुए एक हफ्ता से अधिक का समय हो गया है। सुशांत की मौत के बाद नेपोटिज्म लेकर एक बहस छिड़ गई है। युवाओं का आरोप है कि बॉलीवुड में नेपोटिज्म का शिकार होने से उभरते सितारे सुशांत ने आत्महत्या की है। अब इसी बीच शेखर सुमन ने भी सुशांत की मौत पर अपना रिएक्शन दिया है।शेखर सुमन ने ट्वीट करते हुए लिखा, फिल्म इंडस्ट्री के सारे शेर बनने वाले कायर सुशांत के चाहने वालों के कहर से, चूहे बनकर बिल में घुस गए हैं। मुखौटे गिर गये हैं। पाखंडी लोग उजागर हो गए हैं। बिहार और भारत चुप नहीं बैठने वाले जब तक दोषियों को सज़ा नहीं दी जाती। बिहार जिंदाबाद।

न्यासा को लांच नहीं करेंगी काजोल

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि वह अपनी बेटी न्यासा को बॉलीवुड में लांच नहीं करेंगी। काजोल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर फैन्स के साथ बातचीत की। इस दौरान फैन्स ने उनसे कई सवाल पूछे और काजोल ने भी सभी को जवाब दिया। इस सेशन के दौरान एक यूजर ने उनसे पूछा कि क्या वह अपनी बेटी को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगी तो काजोल ने कहा, नहीं। फिर दूसरे ने पूछा कि क्या न्यासा का फिल्मों में आने का मन है तो काजोल ने इसका जवाब भी ना में ही दिया।अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा अभी 17 साल की हैं और उनकी बॉलीवुड में कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन फिर भी न्यासा की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। सोशल मीडिया पर उनकी फोटोज आते ही वायरल हो जाती हैं। हालांकि न्यासा को लाइमलाइट पसंद नहीं है। न्यासा को कई बार उनके आउटफिट्स को लेकर ट्रोल किया जा चुका है जिससे काजोल और अजय दोनों को काफी दुख पहुंचा था।

अक्षरा का नया गाना मोदी के आत्मनिर्भर अभियान को समर्पित

मुंबई । भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री एवं गायिका अक्षरा सिंह ने अपना नया गाना 'हमको सबसे बड़ा होना है' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता अभियान को समर्पित किया है। अक्षरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत मनिर्भर बनाने के अभियान को एक गाना 'हमको सबसे बड़ा होना है' समर्पित किया। अक्षरा सिंह ऑफिसियल यूट्यूब से जारी यह गाना देशभक्ति से ओतप्रोत है। गाने की शुरूआत ही 'इम्पोर्ट' जगह 'एव सपोर्ट' करने जैसी लाइन से होती है, जो साफ जाहिर करता है कि अक्षरा सिंह चीन के नापाक इरादों से काफी आहत हैं और देश को आत मनिर्भर बनाने के लिए अपने गाने से देशवासियों को प्रेरित करना चाहती हैं।अक्षरा का गाना, हमको सबसे बड़ा होना है के लिरिव स मनोज मतलबी ने लिखे है। इसे अक्षरा ने अपनी आवाज दी है, जो लोगों को खूब पसंद आ रही है। इस गाने में भारत की सामरिक और श्रम की क्षमता को बखूबी पेश किया गया। गाना को मिल रही सफलता को को लेकर अक्षरा ने कहा भारत किसी भी मामले में दुनिया में किसी से कम नहीं है। गाना को मिल रही सफलता को को लेकर अक्षरा ने कहा भारत किसी भी मामले में दुनिया में किसी से कम नहीं है। गाना को मिल रही सफलता को को लेकर अक्षरा ने कहा भारत किसी भी मामले में दुनिया में किसी से कम नहीं है। हमारे पास व या नहीं। श्रम से इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अभियान का समर्थन करती हूं।

फिल्म चिंटू का बर्थडे को वर्ल्ड म्यूजिक डे और फादर्स डे पर दिया गया एक म्यूजिकल ट्रिब्यूट !

नई दिल्ली।

भारत में मूल कंटेंट के सबसे बड़े निर्माता जी5 द्वारा चिंटू का बर्थडे के लिए लोकप्रियता और सुर्खियों बटोरने के बाद, वर्ल्ड म्यूजिक डे और फादर्स डे के अवसर पर फिल्म को म्यूजिकल ट्रिब्यूट देते हुए टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया है। यह गाना प्रतिभाशाली राजीव वी भल्ला द्वारा रचित और गुनगुनाया गया है और निर्देशक सत्यंशु सिंह द्वारा लिखित है। निर्देशक जोड़ी सत्यांशु और देवांशु सिंह ने व्यक्त करते हुए कहा, काश यह दुनिया चिंटू के पिता द्वारा संचालित होती। मैं जिन्दगी जीने के लिए मदन तिवारी के दृष्टिकोण की आकांक्षा करता हूं। इतनी कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने कभी भी यह विश्वास करना बंद नहीं किया कि अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती हैं। पिछले दो हफ्तों से चिंटू का बर्थडे के लिए हमें इस तरह की टिप्पणियां मिल रही हैं। हम सभी को उनके प्यार और सकारात्मकता के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। फादर्स डे और वर्ल्ड म्यूजिक डे पर, हमने गर्व के साथ एक गाना प्रस्तुत किया है, जो बाप-बेटे की इस अनूठी कहानी का जश्न मनाता है। यह पारिवारिक नाटक 6 साल के चिंटू नाम के व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमता है, जो सद्दाम के पतन के समय में अपने परिवार के साथ इराक में फंस गया था। फिल्म में एक मध्यम वर्गीय परिवार द्वारा युद्व की स्थिति के बीच अपने बच्चे का जन्मदिन मनाने की सरल आकांक्षा को एक अनोखे और खूबसूरत अंदाज में बयां किया गया है। चिंटू का बर्थडे एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन है, जो हंसी, मस्ती और आनंद के कई रोमांचकारी क्षणों से भरपूर है। विनय पाठक, तिलोत्तमा शोम, सीमा पाहवा, रेगिनाल्ड बार्न्स, नैट स्कोल्ज, वेदांत राज चिब्बर, बिशा चतुर्वेदी, खालिद मस्सो और मीर मेहरोस अभिनीत, चिंटू का बर्थडे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सत्यंशु और देवांशु सिंह द्वारा निर्देशित और फर्स्ट ड्राफ्ट एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म चिंटू का बर्थडे 5 जून को विशेष रूप से जी5 पर प्रीमियर किया गया था।

हर मां, हर गर्भवती महिला को बेहद गर्व महसूस होने वाला है पेंगुइन':कीर्ति सुरेश

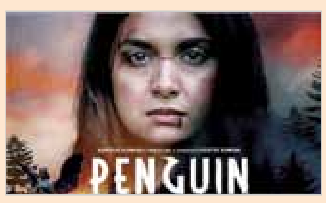

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो की नवीनतम फिल्म पेंगुइन 19 जून 2020 को 200 देशों में अपने प्राइम सदस्यों के लिए रिलीज हो चुकी है। फिल्म के तमाम अपडेट के बाद हर कोई बेसब्री से रिलीज का इंतजार कर रहा था और विशेष रूप से कीर्ति सुरेश की परफॉर्मेंस के लिए फिल्म को पसंद किया जा रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, फिल्म में रिदम नामक मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने साझा किया कि वह अब अधिक से अधिक थ्रिलर फिल्में करना पसंद करेंगी। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि क्या वह इस तरह की थ्रिलर फिल्म करना ज्यादा पसंद करेंगी, जिसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, हां, मैं अवश्य करना चाहूंगी। मुझे लगता है कि मेरी पहली फिल्म बहुत ज्यादा डरावनी थी। यह ज्यादा थ्रिलर है, और एक महिला संचालित फिल्म है। और हां, केवल महिला संचालित फिल्म कहने से ज्यादा, यह एक थ्रिलर है। मुझे मातृत्व के इस दृष्टिकोण से प्यार हो गया है। महिला संचालित थ्रिलर के हाईलाइट के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने साझा किया, फिल्म में वह है जो मुझे लगता है कि प्रमुख आकर्षण है जहां अंत में मैं कहती हूं कि एक मां होना सिर्फ एक रिश्ता नहीं है, यह एक एटीट्यूड है। मेरा मतलब है कि कितना कूल है। हर मां या हर गर्भवती महिला को बेहद गर्व महसूस होने वाला है। यह दर्शाता है कि हम सभी गर्भवती महिलाओं को कितना महत्व देते हैं, वह उन्हें एक नायक की तरह महसूस करवाता है और मातृत्व कितना महत्वपूर्ण है और मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा है। पेंगुइन के साथ कीर्ति ने अपना ओटीटी डेब्यू किया है और एक निर्देशक के रूप में ईश्वर कार्तिक की यह पहली फिल्म है। यह फिल्म तमिल और तेलुगु में रिलीज हुई व मलयालम में डब की गई है। यह मनोवैज्ञानिक थ्रिलर आपको यह अनुमान लगाने के लिए मजबूर कर देगी कि आखिर में हत्यारा कौन है और उसने अपराध क्यों किया। निर्माताओं ने इस बार फाइनल रिलीज होने तक पुरुष लीड के प्रति गोपनीयता बनाए रखी थी और यह देखकर कई लोगों को आश्चर्य हुआ था कि पुरुष लीड कौन था। पेंगुइन का निर्माण कार्तिक सुब्बाराज ने स्टोन बेंच फिल्म्स के बैनर तले किया है । और यह पैशन स्टूडियोज के तहत कार्तिकेन संथानम, सुधन सुंदरम, और जयराम द्वारा निर्मित है। अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म को देखना न भूलें!

रावण करियर की चैलेंजिंग फिल्म : अभिषेक

मुंबई ।

बॉलीवुड के जूनियर बी अभिषेक बच्चन फिल्म रावण को करियर की चैलेंजिंग फिल्म मानते हैं। अभिषेक ने अपनी फिल्म रावण से जुड़ी यादें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी लेकिन ये फिल्म कुछ वजहों से अभिषेक बच्चन के दिल के काफी करीब है। अभिषेक बच्चन ने अपनी पोस्ट में इस फिल्म को अपने दिल के काफी करीब होने की वजह भी बताई है।अभिषेक ने लिखा, मेरे करियर में रावण मेरे लिए फिजिकली और इमोशनली बहुत चैलेंजिंग फिल्म रही है। बहुत हैरत होती है कि टीम किस तरह इसे बना पाने में कामयाब रही। मणि और मैं तीसरी बार एक साथ आए थे। मेरे ख्याल में ये बहुत महत्वाकांक्षी कहानी थी जिसे उन्हें बनाना और लोगों को सुनाना था। मेरे पत्नी के साथ मेरी आठवीं फिल्म। अभिषेक ने ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए लिखा, पूरी फिल्म की शूटिंग के दौरान वह कमाल कर रही थी। उसका समर्पण और ऊर्जा उससे वो जटिलताएं परफॉर्म करवा पाईं जिसने उसके किरदार को बहुत बड़ा बना दिया। उसने ये सब उसकी जानी पहचानी मुस्कान के साथ किया। ये सोचना कि उसे भी हर एक सीन परफॉर्म करना है। मुझे हैरान कर देता और हमें इसे दो बार करना होता क्योंकि हम हिंदी और तमिल वर्जन एक साथ शूट कर रहे थे।

बॉलीवुड के बाद अब पायल रोहतगी ने म्यूजिक इंडस्ट्री पर साधा निशाना

मुंबई।

बिग बॉस 2 की कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस पायल रोहतगी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह बॉलीवुड स्टार्स और अन्य मुद्दों पर हमेशा अपनी प्रतिक्रिया भी देती रहती हैं। पायल इन दिनों एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड को लेकर काफी वीडियो बना रही हैं। इन वीडियोज में वह बॉलीवुड के काले सच को बताती नजर आती हैं। हाल ही में पायल ने एक वीडियो अपने इंस्टा पर शेयर किया है। इस वीडियो में वह म्यूजिक इंडस्ट्री का काला सच बताती दिख रही हैं। वीडियो में पायल कहती हैं-आप सबने सोनू निगम का वीडियो तो देखा ही होगा जहां उन्होंने बताया कि कैसे भूषण कुमार उनके पास गिड़गिड़ाते हुए आए थे। एक सॉन्ग की रिकॉर्डिंग के लिए, भूषण चाहते थे कि वो बाल ठाकरे से मिले। पायल आगे कहती है कि सोनू निगम एक बेहद ही टैलेंटिड सिंगर है। ये सच है कि वो इतना फेम नहीं पा सके,जितना उन्हें मिलना चाहिए। वहीं अब सोनू निगम के वीडियो को देखने के बाद मुझे समझ आया कि म्यूजिक इंडस्ट्री में भी नेपोटिज्म और गुंडा गर्दी है। म्यूजिक इंडस्ट्री टी-सीरिज के कंट्रोल में है और उसके मालिक भूषण कुमार है,आज की तारीख में। अपने इस वीडियो में पायल ने मरीना कुंवर का भी जिक्र किया। बता दें कि सोनू निगम ने भूषण का नाम लेकर धमकी दी कि अगर उन्होंने उनसे (सोनू) पंगा लि या गया तो वह भूषण एक ऐसा वीडियो यूट्यूब पर शेयर करेंगे जिससे उन् हें दिव कत हो जाएगी। अब इस मामले में मशहूर कमीडियन सुनील पाल सोनू के समर्थन में उतरे। सुनील पोल ने एक वीडियो के जरिए भूषण कुमार को जोरदार फटकार लगाई।

आयुष्मान अपने न्यूट्रीशियनिस्ट के पैशन प्रोजेक्ट की मदद को आगे आए!

नई दिल्ली।

आयुष्मान खुराना बड़े दिल वाले स्टार हैं! यह वर्सेटाइल एक्टर अपने हेल्थ और फिटनेस रुटीन को लेकर बेहद सतर्क रहता है और अपने न्यूट्रीशियनिस्ट ल्यूक काउटीन्हो की काबिल देखरेख में यह सारा काम करता है। इस बात को अब दो साल से ज्यादा होने को आए। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के साथ इम्यूनिटी बिल्डिंग पर एक बुक लिखने वाले ल्यूक को अपना पैशन प्रोजेक्ट पूरा करने में भी आयुष्मान का साथ मिला है। इस स्टार ने उनकी बुक द मैजिक इम्युनिटी पिल लाइफस्टाइल का फोरवर्ड लिखा है। आयुष्मान ने ल्यूक की इनसाइट और न्यूट्रीशन के बारे में उनके नॉलेज की जबरदस्त तारीफ की है और सभी से अपनी हेल्थ पर ध्यान देने का आग्रह किया है। आयुष्मान आगे लिखते हैं, तमाम बीते वर्षों में मैं समझ चुका हूं कि इम्यूनिटी ही सब कुछ है। हममें से बहुत सारे लोग सोचते हैं कि हेल्थ और फिटनेस पूरी तरह से हमारी डाइट और एक्सरसाइज से जुड़ी हुई है, जबकि यह इससे बिल्कुल हटकर है। इमोशल और मेंटल हेल्थ के बिना फिजिकल हेल्थ अधूरी है और इसका उल्टा भी इतना ही सच है। हमारा इम्यून सिस्टम ही हमें सेहतमंद रखता है तथा घातक वायरस और बैक्टीरिया से सुरक्षित रखता है। इम्यूनिटी नामक इस इंटेलीजेंस को सपोर्ट करने तथा इसका पालन-पोषण करने का इससे जरूरी समय कभी भी नहीं रहा है, ताकि यह हमारी रक्षा और देखभाल कर सके। एक एक्टर और एक स्वास्थ्य प्रेमी होने के नाते ह्यूमन बॉडी और इम्यून सिस्टम मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व की चीज है, क्योंकि मुझे जीवन में मिलने वाली हर भूमिका निभाने के लिए अच्छी सेहत की जरूरत है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, ल्यूक और मैं एक लंबे अरसे से हेल्थ और इम्यूनिटी के बारे में बात करते चले आ रहे थे,और मुझे लगता है कि उनके आप सभी के साथ शेयर करने का समय आ गया है- जैसे कि लाइफ स्टाइल में वे छोटे-मोटे और आसान बदलाव जो हम सब अपने घरों में बैठ कर बड़े आराम से कर सकते हैं। जैसे कि लाइफ स्टाइल में वे छोटे-मोटे और आसान बदलाव जो हम सब अपने घरों में बैठ कर बड़े आराम से कर सकते हैं। ये बदलाव हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में बड़े काम आएंगे। हमें आशा है कि जहां तक मजबूत इम्यून सिस्टम और एक स्वस्थ व सुखी जीवन बनाने का प्रश्न है, यह सिम्पल लेकिन शक्तिशाली बुक कई तरीकों से आपकी मददगार साबित होगी। जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए सेल्फ-डिसीप्लिन और एक्शन बेहद अहम होता है, इसलिए आइए संकल्प लें कि हम डे टू डे बेसिस पर अपने हेल्थ की बेहतरी के लिए जिम्मेदार बनेंगे।

इरफान खान के बेटे बाबिल की लोगों से अपील, कहा-नेपोटिज्म के खिलाफ बोलें लेकिन सुशांत के नाम का इस्तेमाल ना करें

मुंबई।

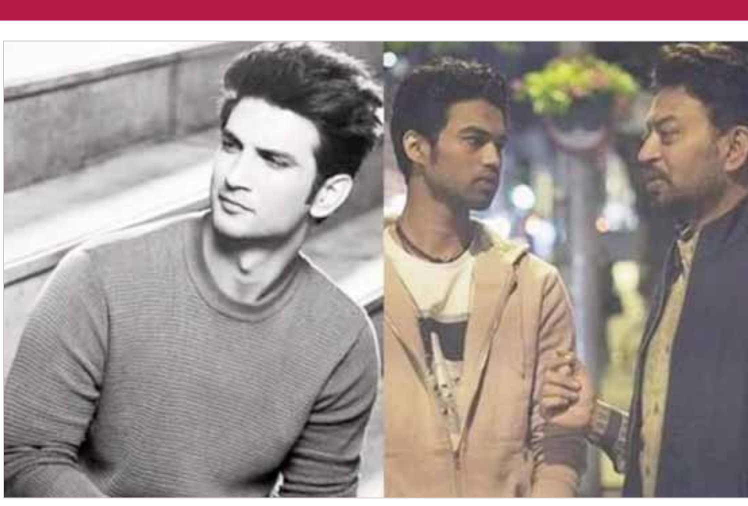

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही सोशल मीडिया पर एक्टर के सुसाइड को लेकर कई तरह की खबरें आ रही हैं और उनके इस कदम के पीछे बॉलीवुड में फैले नेपोटिज्म को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसी बीच दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल ने सोशल मीडिया पर सुशांत के लिए पोस्ट लिखा और कहा कि हमें ब्लेम गेम खेलने की जगह उस शख्स को अपनी यादों में रखना चाहिए, जो हमें छोड़ कर जा चुका है। बाबिल ने इंस्टा पर दिवंगत पिता इरफान खान और सुशांत सिंह राजपूत की तस्वीर शेयर कर लिखा- यह अभी भी नहीं सुलझ रहा है। हमने दो बहुत ईमानदार लोगों को खो दिया है और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में ईमानदारी जरूरी है, हालांकि जिस तरह से सुशांत हमें छोड़कर गए हैं यह अविश्वसनीय है और हैरान करने वाला है। स्वाभाविक रूप से, हम किसी पर आरोप लगाने पर उतर गए हैं, जिसका अपने आप में कोई मतलब नहीं है क्योंकि ब्लेम गेम खेलने से जो शांति मिलेगी वो सच्ची शांति नहीं होगी। बाबिल ने इस पोस्ट के जरिए लोगों से अपील की कि जो भी हो रहा है इसके लिए किसी को भी दोषी ठहरना बंद करें। मैं यह अपील करता हूं कि जिंदगी ऐसी ही होती है जो कोई स्पष्टीकरण नहीं देती। मैं आपसे विनती करता हूं इसकी जांच करना बंद करें क्योंकि इससे उन लोगों की निराशा और बढ़ती है जो (सुशांत का परिवार) इस दुख का सामना कर रहे हैं। बल्कि जो चले गये हमें उन्हें याद करना चाहिए।

बाबिल ने आगे लिखा- मैं कह रहा हूं कि जो सही है उसके साथ खड़े हों लेकिन सुशांत के निधन का इस्तेमाल किए बिना। अगर आप नेपोटिज्म के खिलाफ बोलना चाहते हैं, तो करें, लेकिन ऐसा करने के लिए सुशांत का इस्तेमाल ना करें। जो भी सही है उसके साथ खड़े हों। बता दें कि 14 जून को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वो पिछले कुछ समय से डिप्रेशन में थे। सुशांत के घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार को कांग्रेस पर निशाना साधने के बजाए चीन पर पलटवार करना चाहिए : अधीर

कोलकाता(एजेंसी)।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि सरकार अपनी रणनीतिक भूल को छिपाने के लिए मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधने के बजाए चीन पर पलटवार करने की तैयारी करे और गलवान घाटी में गंवा चुके क्षेत्र पर फिर से कब्जा करे। उन्होंने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई को लेकर मोदी सरकार की दुविधा का फायदा चीन उठा रहा है। चौधरी ने भाजपा नेतृत्व को आरोप साबित करने की चुनौती दी कि कांग्रेस पार्टी ने कभी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया। उन्होंने कहा कि अगर आरोप साबित हो गए तो वह सांसद पद से इस्तीफा दे देंगे। चौधरी ने कहा, भाजपा अपनी गलतियों, हिमालय को लेकर रणनीतिक नाकामी को छिपाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साध रही है। भाजपा नेतृत्व को इतिहास के प्रति सम्मान का भाव नहीं है, वरना वे कभी ऐसा नहीं कहते कि कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी के नेतृत्व में यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने ऑपरेशन मेघदूत चलाकर 1984 में सियाचिन को हासिल किया था। कांग्रेस ही थी जिसने पाकिस्तान को विभाजित कर डाला और 1971 में बांग्लादेश अस्तित्व में आया। चौधरी ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा नेतृत्व साबित करे कि कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया। उन्होंने कहा, मैं उन्हें साबित करने की चुनौती देता हूं। अगर आरोप साबित हो गए तो मैं सांसद पद से इस्तीफा दे दूंगा। अगर आरोप साबित हो गए तो मैं सांसद पद से इस्तीफा दे दूंगा।चौधरी ने आरोप लगाया कि चीन से मुकाबला करने और गंवा चुके क्षेत्र को वापस लेने के लिए मोदी सरकार के पास राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है । उन्होंने कहा कि करो या मरो राष्ट्रीय मंत्र होना चाहिए और जवाबी पलटवार से ही चीन को सबक सिखाया जा सकता है। चौधरी ने एक ट्वीट में कहा, करो या मरो हमारा राष्ट्रीय मंत्र है। बदले हालात में पलटवार करने की जरूरत है ।

हमें साबित करना है कि चीन अंतरराष्ट्रीय समस्या है, वह कभी अजेय नहीं होगा। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, भारत-चीन सीमा पर बहुत कठिन हालात हैं। चीन ने भारत के असमंजस का फायदा उठाया है। चीन पर पलटवार करना होगा।

धान की पनीरी खराब होने से गुस्साए किसानों का कृषि विभाग के विरुद्ध प्रदर्शन

कठुआ (एजेंसी)।

धान की फसल लगाने के लिए लगाई गई पनीरी खराब होने से गुस्साए किसानों ने प्रदर्शन किया। किसानों ने कृषि विभाग विरोधी नारेबाजी करते हुए अपनी भड़ास निकाली। किसान दीप सिंह, किसान मोर्चा के शहरी मंडल प्रमुख देवेंद्र सिंह ने कहा कि 1121 का बीज किसानों शहर की विभिन्न बीज बेचने वाली दुकानों से लिया था। बीज लेने के बाद उन्होंने अपने खेत तैयार किए ताकि पनीरी तैयार होने के बाद रोपाई की जा सके। रोपाई का समय आया तो पनीरी खराब हो गई। उन्होंने कहा कि वे दुकानदारों के पास जाएं तो उनकी सुनी नहीं जाती। उन्होंने कृषि विभाग को कोसते हुए कहा कि दुकानों से किसानों को आखिर किस क्वालिटी का बीज मिल रहा है, इसकी कृषि विभाग जांच तक करना उचित नहीं समझता और न ही सैंपल लेना उचित समझता है। उन्होंने कहा कि दुकानदारों के कहने पर किसानों ने पनीरी पर स्प्रे भी किया लेकिन पनीरी ठीक नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री किसानों की आमदनी दोगुणी करने के दावे करते हैं लेकिन अगर ऐसी स्थिति होगी तो आमदनी दोगुणी होने के बजाय किसानों के परिवार भूखमरी के शिकार हो जाएंगे। किसानों ने कहा कि पहले मजदूरों की हालत खराब हुई और अब किसानों की हालत खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर दो दिनों के भीतर मामले की जांच और उचित कार्रवाई न की गई तो वे लोग डी.सी. कार्यालय के सामने धरना लगाने को मजबूर हो जाएंगे।

66 वर्ष बाद बाहरी नागरिक को मिली जम्मू कश्मीर की नागरिकता

जम्मू। धारा 370 टूट चुकी है। डोमिसाइल कानून भी लागू हो चुका है। जम्मू कश्मीर में 66 वर्ष बाद किसी बाहरी नागरिक को राज्य का स्थायी नागरिक बनाया गया है। यह सदस्यता मिली है आईएएस अधिकारी नवीन चैधरी को । चैधरी मौजूदा समय में जम्मू शहर में ही रहते हैं और कृषि विभाग में कमिश्नर सचिव के पद पर काम कर रहे हैं। चैधरी मूल रूप से बिहार के दरभंगा के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार उन्होंने डोमिसाइल सर्टिफिकेट के लिए तहसलीदार कार्यालय में अप्लाई किया था। उन्हें बाहू तहसील के तहसीलदार ने सर्टिफिकेट दिया। यह सर्टिफिकेट जम्मू कश्मीर ग्रांट डोमिसरइल सर्टिफिकेट प्रोसिजर रूल्स 2020 के नियम 5 के तहत जारी किया गया। केन्द्र सरकार ने इस कानून को मंजूरी दी थी और इसका कई संगठनों ने विरोध भी किया था। जम्मू कश्मीर में स्थायी नागरिक सदस्यता यूंह ही नहीं मिल जाएगी। इसके कुछ नियम हैं। केन्द्र सरकार ने 370 को हटाने के बाद नये डोमिसाइल कानून को मंजूरी दी थी। सरकार के अनुसार जो लोग पन्द्रह वर्ष से अधिक समय से जम्मू कश्मीर में रह रहे हैं उन्हें इसका लाभ मिलेगा। या फिर उन्हें जिन्होंने यहां दसवीं अथवा 12वीं की परीक्षा दी हो।

एलएसी पर भारत ने चीन को दिखाई अपनी ताकत, थल और वायु सेना ने किया युद्धाभ्यास

नेशनल डेस्क। गलवान घाटी में मौजूदा तनाव की स्थिति के बीच भारतीय सेना और वायुसेना ने लेह में अपनी ताकत दिखाई। यह साझा युद्धाभ्यास लद्दाख सीमा पर 11000-16000 फीट की ऊचांई पर किया गया, जिसका मकसद दोनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना था। लद्दाख के लेह क्षेत्र में चल रहे इस युद्धाभ्यास में भारतीय सेना के सुखोई-30 एमकेआई, चिनूक हेलिकॉप्टर और मी-17 हेलिकॉप्टर हिस्सा ले रहे हैं। इस युद्धाभ्यास के जरिए सेना को एक जगह से दूसरे जगह पर तेजी से ले जाने की प्रेक्टिस भी की जा रही है, सेना के ट्रांसपोर्ट और हवाई विमान भी इसमें शामिल है। सोशल मीडिया पर जारी युद्धाभ्यास के वीडियो में सुखोई-30 आसमान में सुरक्षा घेरा बनाता दिखाई दे रहा है। इसके बाद सेना के मालवाहक विमान रसद, तोपें और सिपाहियों को एक जगह से दूसरे जगह पहुंचाने का कोआर्डिनेशन ऑपरेशन चलाया। बता दें कि चीन गलवान घाटी, पैंगॉन्ग झील और दौलत बेग ओल्डी इलाके में चीनी सेना की तैनाती पहले जैसी बनी है। ऐसे में भारत किसी स्तर पर अपनी तैनाती को कम नहीं रखना चाहता है।

केजरीवाल ने कोरोना मरीज को किया फोन

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि राजधानी में कोरोना को रोकने के लिए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली सीएम ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बड़े पैमाने पर आईसीयू बेड लगाएगी। केजरीवाल ने कहा कि हमने कोरोना को लेकर दो अहम कदम भी उठाए हैं, पहला-प्लाज्मा थेरेपी और दूसरा- ऑक्सीजन लेवल बनाए रखना। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने एक कोरोना मरीज से बात भी की और उसका हालचाल जाना। यह मरीज घर पर ही क्वारंटाइन है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या स्वास्थ्य टीम आपको रोज देखने आती है तो उसने कहा, हां आती है। वहीं मरीज ने बताया कि वह पहले से काफी बेहतर है और अब कोरोना लक्षण भी नहीं हैं। मा. मुख्यमंत्री श्री जी के साथ बातचीत में होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीज ने बताया कि उन्हें कोई परेशानी नहीं है। सरकार से मिले ऑक्सीमीटर से नियमित रूप से करते हैं जाँच। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अस्पताल, राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल और जीटीबी अस्पताल में सरकार बड़े

पैमाने पर और ढ्ढष्ट बेड लगाने वाली है। साथ ही कहा कि दिल्ली सरकार पिछले 10 दिनों में होटलों में कोरोना मरीजों के लिए पहले ही 3,500 बेड उपलब्ध करा चुकी है। दिल्ली सीएम ने कहा कि घरों में क्वारंटाइन कोरोना मरीजों को नब्ज मापने वाले ऑस्कीमीटर दिए गए हैं और यह बीमारी के खिलाफ सुरक्षा चक्र की तरह काम करेगा। केजरीवाल ने कहा कि सरकार को शहर में 200 मरीजों पर प्लाज्मा थैरेपी के इस्तेमाल की अनुमति मिल गई है।

येदियुरप्पा बोले- बेंगलुरु में अब कोई लॉकडाउन नहीं होगा, कोरोना के खिलाफ जनता का सहयोग जरूरी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि शहर में कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे और नए सिरे से कोई लॉकडाउन नहीं लागू किया जाएगा। हालांकि साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने के लिए जनता के सहयोग की जरूरत है। लोग मिना मास्क घरों से बार न निकलें और साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी खास ध्यान रखें, तभी कोरोना को खत्म कर पाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य की आर्थिक स्थिति को सुधारना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना 9 के प्रसार को रोकना। येदियुरप्पा ने कहा कि भले ही राज्य की राजधानी को कोविड प्रबंधन के मामले में पूरे देश के लिए एक मॉडल माना जा रहा था और पिछले कुछ दिनों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी गई हो लेकिन हर किसी के सहयोग से कोरोना पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उनकी इस टिप्पणी से एक दिन पहले राजस्व मंत्री आर अशोक ने कहा था कि बेंगलुरु अब भी अन्य शहरों एवं राज्यों में की स्थिति की तुलना में 'सुरक्षित' है। उन्होंने फिलहाल दोबारा लॉकडाउन लगाने की संभावना से इनकार कर उन सभी अटकलों को विराम दे दिया कि मामलों में वृद्धि के मद्देनजर राजधानी में ऐसे किसी कदम पर विचार किया जा रहा है।

कोरोना से लड़ रही आतिशी ने शेयर किया अपना हेल्थ अपडेट, बोलीं- जल्द हो जाऊंगी ठीक

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी की कालका सीट से विधायक आतिशी इन दिनों कोरोना से जंग लड़ रही हैं। आतिशा ने शुक्रवार को अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारी शेयर की और बताया कि वह अब पहले से ज्यादा स्वस्थ महसूस कर रही हैं। आतिशी ने ट्वीट किया कि उनका ऑक्सीजन लेवल, टेम्परेंचर और पल्स सब नॉमर्ल है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने बताया कि मैं जल्दी ही ठीक हो जाऊंगी। बता दें कि 16 जून से आतिशी में सर्दी, खांसी के लक्षण नजर आए थे जिसके बाद उनका कोरोना टेस्ट हुआ तो उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद आतिशी ने खुद को घर पर ही क्वारंटाइन कर लिया था। कोरोना के चलते इन दिनों आतिशी स्वस्थ विभाग के साथ काम कर रही थी। 11 जून को विभाग में एक अधिकारी को कोरोना हुआ था जिसके बाद आतिशी ने खुद को घर में आइसोलेट कर लिया था लेकिन

बाद में उनमें भी कोरोना के लक्षण दिखे। बता दें कि दिल्ली सरकार के स्वस्थ मंत्री सतेंद्र जैन भी कोरोना से ग्रस्त हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खराब होने पर उनके प्लाजा थेरेपी दी गई थी जिसके बाद से वे तेजी से रिकवर हो रहे हैं।

मोदी से सोनिया गांधी का सवाल- जब घुसपैठ नहीं हुई तो 20 जवान शहीद कैसे हुए?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लद्दाख के गलवान घाटी में 20 जवानों की शहादत और नियंत्रण रेखा पर चीन के अतिक्रमण और लगातार बढ़ते पेट्रोल-डीजल की कीमत के मुद्दे पर आज दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर हमला किया। सोनिया गांधी ने पीएम मोदी से सवाल किया कि देश जानना चाहता है कि अगर चीन ने लद्दाख में हमारी जमीन पर कब्जा नहीं किया तो हमारे 20 सैनिकों की शहादत क्यों और कैसे हुई? सोनिया गांधी ने कहा कि मोदी सरकार हमारी जमीन को कब और कैसे वापस लेगी? क्या चीन द्वारा गलवान घाटी में नए निर्माण कर हमारी भूभागीय अखंडता का उल्लंघन किया जा रहा है? क्या प्रधानमंत्री इस स्थिति पर देश को विश्वास में लेंगे? सोनिया गांधी ने कहा कि आज जब सीमा पर संकट की स्थिति है तो ऐसे समय सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। उन्होंने यह सवाल भी किया जब चीन की सेना भारत की भूभागीय अखंडता का उल्लंघन कर रही है तो क्या ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विश्वास में लेंगे? सोनिया ने गलवान घाटी में शहीद हुए 20 जवानों के सम्मान में कांग्रेस की ओर से च्शहीदों को सलाम दिवस% मनाए जाने के मौके पर एक वीडियो संदेश में यह भी कहा कि कांग्रेस भारतीय सेना और सैनिकों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, सैनिकों के शौर्य को नमन करने के लिए पूरे देश में कांग्रेसजन और देश के नागरिक शहीदों को सलाम दिवस मना रहे हैं। मैं खुद को उनके साथ जोड़ती हूं। कांग्रेस की शीर्ष नेता ने कहा, लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी घुसपैठ को रोकते हुए हमारे 20 सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए । देश उनके बलिदान के लिए सदैव आभारी रहेगा। हमें हमारे सैनिकों और सेना पर नाज है। देश सुरक्षित है क्योंकि हमारी सेना प्राणों की आहुति देकर भी देश की हिफाजत करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी सेना और सैनिकों के प्रति आदरभाव प्रकट करते हुए मजबूती के साथ खड़े रहने के संकल्प को दोहराती है। सोनिया ने कहा, आज जब भारत चीन सीमा पर संकट की स्थिति है तो केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। सोनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमारी सीमा में कोई घुसपैठ नहीं हुई, लेकिन दूसरी तरफ रक्षा मंत्री और विदेश मंत्रालय बड़ी संख्या में चीनी सैनिकों की मौजूदगी और अनेकों बार चीनी घुसपैठ की चर्चा करते हैं। हमारी फौज के जनरल, रक्षा विशेषज्ञ और समाचार पत्र उपग्रह से ली गई तस्वीरें दिखाकर चीनी घुसपैठ की पुष्टि कर रहें हैं।

मध्य प्रदेश की राजनीति में चाईना की एंट्री, प्रभात झा ने कमलनाथ को बताया चीन का एजेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा उपुचनाव से पहले राजनीति गरमाई हुई है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही राजनीतिक दलों द्वारा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप जारी है। इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा है। प्रभात झा ने कमलनाथ पर बड़ा आरोप लगाते हुए उन्हें चीन का एजेंट बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस की चीनभक्ति ने राष्ट्रभक्ति के आगे घुटने टेक दिए हैं। दरअसल, गुरुवार को भाजपा की वर्चुयल रैली के दौरान बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा बड़ा खुलासा करने के बाद बीजेपी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हमलावर नजर आए। प्रभात झा ने कहा कि आज देश के पत्रकारों ने बहुत बड़ा खुलासा किया है। जिस वक्त लोगों को चाइना बॉर्डर पर भारत चीन के साथ चल रही तनातनी में देश का साथ देना चाहिए वह लोग ऐसे संकट की घड़ी में देश के खिलाफ बयान दे रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा ने कमलनाथ पर बड़ा निशाना बनाते हुए कहा है कि इन सब के बीच में सबसे प्रमुख भूमिका में कमलनाथ है। कमलनाथ चीन के एजेंट बनकर वाणिज्य मंत्री के तौर पर काम कर रहे थे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि चीन की आयात शुल्क को कम करने के साथ-साथ उस राशि को राजीव गांधी फाउंडेशन में जमा करने का काम भी कमलनाथ को ही सौंपा गया था। इसे लेकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने खुद ही इस बात का खुलासा नहीं किया तो बीजेपी देश के हर शहर हर गांव में इस बारे में लोगों को बताएगी। आपको बता दें कि गुरुवार को बीजेपी की वर्चुअल रैली बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने कहा था कि चीन और कांग्रेस के बीच गुपचुप रिश्ता है।

संक्षिप्त समाचार

लद्दाख से लौटे सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात, सीमा के हालातों पर दी जानकारी

नेशनल डेस्क। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच चले आ रहे सैन्य गतिरोध के बीच जमीनी हालात का जायजा लेने के बाद वहां से लौटे सेना प्रमुख जनरल मनरोज मुकुंद नरवणे ने आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ताजा स्थिति की जानकारी दी। सिंह भी रूस दौरे से वापस आये हैं जहां उन्होंने रूसी नेतृत्व के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय बैठक की और द्वितीय विश्व युद्ध के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित विक्टरी परेड में हिस्सा लिया। लद्दाख के दो दिन के दौरे पर गये जनरल नरवणे ने अस्पताल जाकर गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ झड़प के दौरान घायल हुए सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने चीनी सैनिकों के साथ 15 जून की रात गलवान में दो- दो हाथ करने वाले सैनिकों को सम्मान पत्र भी दिया। इस झड़प में सेना के एक कर्नल सहित सेना के 20 सैनिक शहीद हो गये थे। झड़प में चीनी सेना के भी कई सैनिक हताहत हुए थे। सूत्रों के अनुसार जनरल नरवणे ने सिंह को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पिछले दिनों के घटनाक्रम, वहां की गतिविधियों और सेना की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नहीं रहे भारत के वीर योद्धा परवेज जामस्जी, 1971 की जंग में पाक को सिखाया था सबक

नेशनल डेस्क। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन करने वाले स्क्वाड्रन लीडर (अवकाशप्राप्त) परवेज रुस्तम जामस्जी का निधन हो गया है। वह 77 साल के थे। जामस्जी को 1971 की लड़ाई में उनकी वीरता के लिए 'वीर चक्र से पुरस्कृत किया गया था। युद्ध में हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में अभियान को अंजाम देते समय उन्हें चोट आई थी जिसकी वजह से वह छड़ लेकर चलते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री है। यहां के दादर क्षेत्र की पारसी कॉलोनी में रहने वाले जामस्जी का निधन बृहस्पतिवार की रात हुआ। वह कुछ समय से बीमार थे। उन्हें मिले 'वीर चक्र से संबंधित प्रशस्ति पत्र में लिखा है कि पाकिस्तान के खिलाफ दिसंबर 1971 में अभियान के दौरान जामस्जी एक हेलीकॉप्टर इकाई के साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट के रूप में सेवारत थे। वह अपना हेलीकॉप्टर उड़ा रहे थे जिसपर दो बार मशीन गन और दो बार मोर्टार से हमला किया गया। अद्भुत शौर्य और चतुराई का प्रदर्शन करते हुए वह अपने हेलीकॉप्टर को वापस ले आए। इसमें कहा गया कि दुश्मन के ठिकाने के ऊपर एक बार उनके हेलीकॉप्टर का इंजन खराब हो गया, लेकिन वह इसे हमारे क्षेत्र में सुरक्षित ले आए। समूची उड़ान के दौरान परवेज रुस्तम जामस्जी ने वीरता, पेशेवर कौशल और उच्च कोटि का सेवा समर्पण प्रदर्शित किया। वह 1965 में भारतीय वायुसेना में शामिल हुए थे और 1985 में उन्होंने अवकाश ग्रहण किया।

प्रियंका गांधी का बेबाक बयान- इंदिरा गांधी की पोती हूं, धमकियों से नहीं डरने वाली

नेशनल डेस्क। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगरा जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से हाल में दिए गए नोटिस को लेकर करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने विभागों के माध्यम से चाहे जितनी धमकी दे ले, लेकिन वह इंदिरा गांधी की पोती हैं और जनता के प्रति कर्तव्य निभाते हुए उनके सामने सच्चाई रखती रहेंगी। प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि जनता के एक सेवक के रूप में मेरा कर्तव्य यूपी की जनता के प्रति है, और वह कर्तव्य सच्चाई को उनके सामने रखने का है। किसी सरकारी दुष्प्रचार को आगे रखना नहीं है। उन्होंने कहा कि उप्र सरकार अपने अन्य विभागों द्वारा मुझे फिजूल की धमकियां देकर अपना समय व्यर्थ कर रही है। जो भी कार्यवाही करना चाहते हैं, बेशक करें। मैं सच्चाई सामने रखती रहूंगी। मैं इंदिरा गांधी की पोती हूं, कुछ विपक्ष के नेताओं की तरह भाजपा की अघोषित प्रवक्ता नहीं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने प्रियंका को कानपुर स्थित बालिका संरक्षण गृह से जुड़े मामले पर भ्रामक टिप्पणी करने के आरोप में वीरवार बृहस्पतिवार को एक नोटिस भेजा और उनसे तीन दिन के अंदर जवाब मांग है। नोटिस में कहा गया है कि अगर वह अपनी पोस्ट का खंडन नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिनों पहले आगरा के एक मेडिकल कॉलेज में 48 घंटे के भीतर 28 लोगों की मौत के दावे को लेकर प्रियंका द्वारा किए गए ट्वीट पर भी जिला प्रशासन ने उन्हें नोटिस जारी किया था।

कृष्ण नगरी मथुरा-वृंदावन में चीनी नागरिकों की एंट्री बैन, होटलें से हटाए चाइनीज फूड

नेशनल डेस्क। चीन की कायराना हरकत के बाद देशभर में उबाल है और लोग चीनी उत्पादों का बहिष्कार कर विरोध जता रहे हैं। इस बीच तीर्थनगरी मथुरा-वृंदावन के होटल संचालकों ने बड़ा फैसला लिया है जिसके मुताबिक अब वे चीनी नागरिकों को अपने होटलों में नहीं ठहराएंगे और न ही किसी ग्राहक को चाइनीज फूड परोसेंगे। होटल मालिक संघ ने अखिल भारतीय व्यापारी संघ (सीएआईटी) के अभियान का समर्थन करते हुए चीनी उत्पादों का बहिष्कार किया है। संघ ने साथ ही होटलों में चीनी नागरिकों को नहीं ठहराने और मेन्यू कार्ड से चाइनीज फूड हटाने का फैसला लिया है। होटल मालिक संघ की बैठक में वर्तमान परिस्थिति पर चर्चा हुई। संगठन के महामंत्री अमित जैन ने बताया कि मथुरा-वृन्दावन होटल ओनर्स एसोसिएशन सीएआईटी के उस अभियान के साथ है, जिसमें चीनी वस्तुओं के बहिष्कार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान 'आत्मनिर्भर भारत व 'लोकल से वोकल और कैट के 'भारतीय सामान-हमारा अभिमान को पूरे ब्रज क्षेत्र में जनमानस तक लेकर जाएंगे। इसी के तहत मथुरा-वृन्दावन के होटल संचालकों ने चीनी नागरिकों को अपने यहां कमरा न देने और चाइनीज फूड पर प्रतिबंध लगाने के लिए मेन्यू कार्ड से ही 'चाइनीज फूड आयटम को हटाने का फैसला लिया है।

युएस में दो करोड़ से अधिक लोग हो सकते हैं संक्रमित

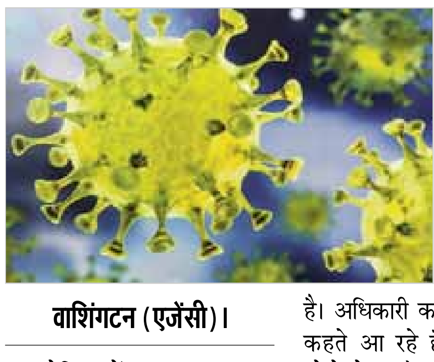

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में एक नए अनुमान में कोरोना वायरस के प्रकोप की देश में शुरुआत के बाद से करीब दो करोड़ लोगों के इससे संक्रमित होने का दावा किया गया है। इस तथ्य के अनुसार बड़ी आबादी पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका में सामने आए कोविड-19 के 23 लाख पुष्ट मामलों की तुलना में यह आंकडा करीब दस गुना ज्यादा है। अधिकारी काफी समय से यह कहते आ रहे हैं कि कई लाख लोगोंको उनके संक्रमित होने का एहसास ही नहीं हुआ और जांच की कमी के कारण भी कई मामले सामने नहीं आ पाए। यह खबर ऐसे समय में समने आई है जब करीब एक दर्जन राज्यों मे कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन लोगों की चिंता कम करने की कोशिश कर रहा है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केन्द्र के निदेशक डॉ. रॉबर्ट रेडफील्ड ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, '' यह स्पष्ट है कि देश में बहुत लोगों पर खतरा मंडरा रहा है।''इन नए अनुमानित आंकड़ों के अनुसार करीब 33.1 करोड़ की आबादी वाले देश में दो करोड़ लोगों का संक्रमित होना मतलब देश में छह प्रतिशत लोग इसकी चपेट में आए हैं। इससे पहले, सीडीसी के अधिकारी और देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. एंथनी फाउची ने कहा था, '' अभी हमारा सबसे सटीक अनुमान यह है कि हर पुष्ट मामले पर वास्तव में अतिरिक्त 10 मामले हैं।'' उन्होंने कहा था कि कम से कम 25 प्रतिशत संक्रमितों में शायद कोई लक्षण ही ना दिखे। नया अनुमान देशभर से एकत्रित किए गए रक्त नमूनों के सीडीसी के अध्ययनों पर आधारित है । कए गए रक्त नमूनों के सीडीसी के अध्ययनों पर आधारित है । नमूनों के सीडीसी के अध्ययनों पर आधारित है । इनमें से कुछ नमूने सीडीसी और कुछ अन्य 'ब्लड डोनेशन' या अन्य स्रोतों से लिए गए हैं।

भारत को चीन से खतरे के मद्देनजर अपने सैनिकों की तैनाती की समीक्षा कर रहा है अमेरिका : पोम्पिओ

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया, और फिलीपीन जैसे एशियाई देशों को चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर अमेरिका दुनिया भर में अपने सैनिकों की तैनाती की समीक्षा कर उन्हें इस तरह से तैनात कर रहा है कि वे जरुरत पड़ने पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (चीन की सेना) का मुकाबला कर सकें। पोम्पिओ ने जर्मन मार्शल फंड के वर्चुअल ब्रसेल्स फोरम 2020 में एक सवाल के जवाब में यह कहा। पोम्पिओ ने कहा, ''हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी तैनाती ऐसी हो कि पीएलए का मुकाबला किया जा सके। हमें लगता है कि यह हमारे समय की यह चुनौती है और हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे पास उससे निपटने के लिए सभी संसाधन उचित जगह पर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर सैनिकों की तैनाती की समीक्षा की जा रही है और इसी योजना के तहत अमेरिका, जर्मनी में अपने सैनिकों की संख्या करीब 52 हजार से घटा कर 25 हजार कर रहा है। पोम्पिओ ने कहा कि सैनिकों की तैनाती जमीनी

स्थिति की वास्तविकता के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा, ''कुछ जगहों पर अमेरिकी संसाधन कम रहेंगे। कुछ अन्य जगह भी होंगे... मैंने अभी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से खतरे की बात कही है, इसलिए अब भारत को खतरा, वियतनाम को खतरा, मलेशिया, इंडोनेशिया को खतरा, दक्षिण चीन सागर की चुनौतियां हैं।

पाकिस्तान में करीब एक महीने बाद कोरोना वायरस के एक दिन में सबसे कम मामले

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में लगभग एक महीने बाद शुक्रवार को कोरोना वायरस के एक दिन में सबसे कम 2,775 मामले दर्ज किए गए। नये मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के कुल मामले 1,95,745 हो गए हैं। एक दिन में सबसे ज्यादा 6,825 नये मामले 13 जून को सामने आए थे। वहीं 29 मई को, पाकिस्तान में सबसे कम 2,429 मामले सामने आए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोविड-19 से 59 लोगों की मौत हुई जिसके बाद मृतक संख्या 3,962 हो गई है। अब तक 84,168 मरीज बीमारी से स्वस्थ हो चुके हैं। कोविड-19 के सबसे अधिक 75,168 मरीज सिंध में हैं। इसके बाद पंजाब में 71,987, खैबर पख्तूनख्वा में 24,303, इस्लामाबाद में 11,981, बलोचिस्तान में 9,946, गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,398 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 962 मरीज हैं। अब तक अधिकारियों ने 11,93,017 नमूनों की जांच की है जिसमें से 21,041 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटों में की गई है। इस बीच, पाकिस्तान ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से आगामी ईद-उल-अजहा के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने में मदद मांगी है, जब कुर्बानी के लिए जानवरों को बेचे जाने के लिए देश भर में मवेशी बाजार लगते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक जफर मिर्जा ने डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अहमद अल मंधारी और उनकी टीम के साथ वीडियो लिंक के जरिए बृहस्पतिवार को हुई बैठक में दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए मदद मांगी। मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तान ठोस एवं समन्वित राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के जरिए कोविड-19 से लड़ रहा है।

'एशियाई देशों को चीनी खतरे के मुकाबले के लिए सेना तैनाती की समीक्षा कर रहा है अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी) (एजेंसी)।

अमेरिका चीन से भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलिपींस जैसे एशियाई देशों के समक्ष उत्पन्न खतरे को देखते हुए और उसका उचित तरीके से मुकाबला करने के लिए अपनी सेना की वैश्विक तैनाती की समीक्षा कर रहा है। यह बातें अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने गुरुवार को जर्मन मार्शल फंड के वर्चुअल ब्रसेल्स फोरम 2020 के दौरान एक सवाल के जवाब में कही। उन्होंने कहा, च्च्हम यह सुनिश्चित करने जा रहे है कि हम चीन की सेना का उचित तरीके से मुकाबला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर सेना की तैनाती की समीक्षा की जा रही है, जिसके तहत अमेरिका जर्मनी से लगभग 52000 सैनिकों में से 25000 सैनिकों को हटा रहा है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की तैनाती जमीनी हकीकत के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, कुछ जगहों पर यह तैनाती अमेरिका संसाधनों के अनुकूल होगी। वहीं अन्य जगहों पर भारत, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया, दक्षिण चीन सारगर की चुनौतियों तथा फिलिपींस के समक्ष चीन से उत्पन्न खतरे का मुकाबला करने के लिए होगी।

संक्षिप्त समाचार

देश की खातिर इस प्रधानमंत्री ने तीसरी बार टाली अपनी शादी, मंगेतर के नाम लिखा खास मैसेज

इंटरनेशनल डेस्क। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने देश की खातिर एक नहीं बल्कि तीन बार आपनी शादी टाल दी। हाल ही में उनकी शादी की नई तारीख निकाली गई थी लेकिन एक बार फिर उनको इसे टालना पड़ा। इस बार उनको यूरोपीय संघ के शिखर सम्मेलन के कारण अपनी शादी टालनी पड़ी। पीएम फ्रेंडरिकसन ने मंगेतर बो की एक तस्वीर के साथ फेसबुक पोस्ट लिखा- मैं सच में इस शानदार शख्स से शादी करने के लिए एक्साइटेड हूं लेकिन यह इतना आसान नहीं है। पीएम फ्रेंडरिकसन ने लिखा कि अब ब्रसेल्स में एक परिषद की बैठक है और यह जुलाई में हो रही है जब हमने शादी करने का प्लान बनाया था। लेकिन मुझे मेरा काम भी देखना है और डेनमार्क के हितों के बारे में भी सोचना है इसलिए फिलहाल शादी का प्लान फिर बदलना होगा। पीएम ने पोस्ट में आगे लिखा कि हम जल्द ही शादी करेंगे, बस बो की एक बार फिर हां का इंतजार है। पीएम फ्रेडरिकसन ने लिखा सच में बो काफी धैर्यवान है। बता दें कि 17-18 जुलाई को यूरोपीय परिषद की बैठक बुलाई गई है, जो ब्रसेल्स में सदस्य देशों के 27 प्रमुखों की उपस्थिति में आयोजित होगी। कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद यह पहला मौका होगा जब शिखर सम्मेलन में नेता वास्तव में मौजूद रहेंगे।

कम नहीं हुआ अमेरिका पर संकट, कोरोना को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के अब तक जितने मामले सामने आये हैं, वास्तव में उससे 10 गुना अधिक लोग इस संक्रमण से प्रभावित हुए हैं। यह कहना है अमेरिका महामारी नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के निदेश रॉबट रेडफील्ड का। रेडफील्ड ने कहा कि हमारा अनुमान है कि देश में कोविड-19 के संक्रमण के जितने भी मामले रिपोर्ट किये गये हैं, उनके साथ 10 अन्य लोग भी संक्रमित हुए हैं। सीडीसी ने वीरवार को एक रिपोर्ट जारी की जिसमें बताया गया कि देश में इस जानलेवा विषाणु से अब तक लगभग 23.70 लाख लोग संक्रमित हुए हैं और इस आधार पर अमेरिका में कोरोना संक्रमितों की वास्तविक संख्या लगभग 10 गुना यानी 2.4 करोड़ हो जायेगी। यह आंकड़ा देश की कुल आबादी का लगभग आठ प्रतिशत है। अमेरिका में बुधवार को कोविड-19 के 36000 से अधिक नये मामले दर्ज किये गये थे। यह अमेरिका में एक दिन में इस संक्रमण से ग्रसित होने वाले लोगों की सर्वाधिक संख्या है।

चीन को लेकर अमेरिका सख्त, हांगकांग बिल के खिलाफ सीनेट में पास किया प्रस्ताव

वांशिगटन। अमेरिकी सीनेट ने हॉन्गकॉन्ग से जुड़े विवादित कानून को लेकर चीन पर प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी है। इससे जुड़े बिल को सीनेट ने पास कर दिया है। इस बिल में चीन के वैसे अधिकारियों, बिजनेसमैन और बैंक पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है जो हॉन्गकॉन्ग की स्वायत्तता को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। डेमोक्रेट और रिपब्लिकन सीनेटरों द्वारा लाए गए इस बिल को सीनेट ने ध्वनि मत से पास कर दिया। इससे पहले इसी महीने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उस बिल पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें चीन में उइगर मुसलमानों को प्रताड़ित करने वाले चीनी अधिकारियों को दंडित करने का प्रावधान है। इसके ठीक बाद चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के दौर में यूएस ने चीन को दंडित को लेकर एक और बिल कानून बनने की दिशा में है। बता दें चीन की संसद ने हांगकांग में नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने को मंजूरी दे दी थी। चीन ने यह फैसला पिछले साल हांगकांग में हुई हिंसा के मद्देनजर लिया था। चीनी सरकार चाहती है कि उसके खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबा दिया जाए, इसलिए उसने नए कानून के जरिये हांगकांग के प्रदर्शनकारियों को कमजोर करने का प्रयास किया गया। चीन का दावा है कि हांगकांग में 'एक देश दो व्यवस्थाओं' के नियम को लागू करेगा। चीन एक तरह से इस नए कानून के तहत हांगकांग के अर्ध-स्वायत्त दर्जे को समाप्त करना चाहता है। इस कानून के मुताबिक हांगकांग के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के प्रमुख प्रशासक हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने का कर्तव्य निभाएंगे। वह नियमित रूप से केंद्र सरकार को इसकी रिपोर्ट देंगे। स्थायी समिति हांगकांग में इस साल अगस्त तक राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कानूनी सिस्टम बनाएगी।

यूरोप में कोविड-19 की पहली दवा के रूप में रेमडेसिवीर को मिली मान्यता, मरीजों के जल्द स्वस्थ होने में

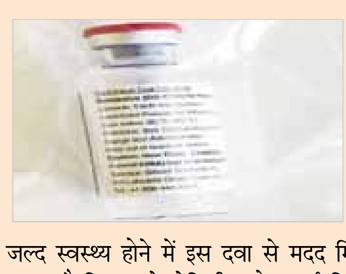

लंदन। यूरोपीय औषधि एजेंसी ने कोविड-19 के इलाज के लिए पहली दवा के रूप में रेमडेसिवीर को मान्यता दे दी है। परीक्षण के दौरान अस्पताल में भर्ती कोविड-19 के मरीजों को जल्द स्वस्थ्य होने में इस दवा से मदद मिली थी। औषधि एजेंसी का कहना है कि वह रेमडेसिवीर को सशर्त विपणण की मान्यता दे रही है। इसका उपयोग 12 साल से ज्यादा आयु वाले ऐसे मरीजों पर किया जाएगा, जिन्हें न्यूमोनिया है और ऑक्सीजन की जरूरत है। एजेंसी ने कहा, ''रेमडेसिवीर यूरोपीय संघ में कोविड-19 के इलाज के लिए मान्यता पाने वाली पहली दवा है। पिछले महीने अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस दवा को कोविड-19 मरीज को आपात स्थिति में देने की अनुमति दी थी।

ट्रंप, बाइडेन ने चुनावी रैली में एक-दूसरे पर जमकर साधा निशाना

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का प्रकोप बढ़ने के बावजूद राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार अभियान ने गति पकड़ ली है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा डेमोक्रेटिक पार्टी के उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को बाइडेन को ऐसा उम्मीदवार बताया जो अमेरिका को बर्बाद कर देगा। ट्रंप ने विस्कॉन्सिन में फॉक्स न्यूज टाउन हॉल के दौरान एक सवाल के जवाब में आरोप लगाया, ''वह (बाइडेन) ऐसे उम्मीदवार हैं जो इस देश को बर्बाद कर देंगे। और शायद खुद से ऐसा नहीं करें। उन्हें मुर्खों का एक छोटा कट्टरपंथी समूह चलाएगा जो हमारे देश को बर्बाद कर देगा और लोगों को यह समझना होगा।''उन्होंने कहा, ''एक व्यक्ति (बाइडेन) है जो बात नहीं करता। कोई भी उन्हें नहीं सुनता है। जब भी वह बात करता है तो वह दो वाक्यों को एक साथ नहीं बोल सकता.... और वह आपका राष्ट्रपति होने जा रहा है क्योंकि कुछ लोग शायद मुझे पसंद नहीं करते।''बाइडेन (77) तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप (74) को चुनौती दे रहे हैं। ट्रंप चार साल के अपने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं। वहीं पूर्व उपराष्ट्रपति बाइडेन विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ताजा जनमत सर्वेक्षण के अनुसार बाइडेन ट्रंप पर आठ प्रतिशत अंकों से अधिक की बढ़त बनाए हुए हैं। ट्रंप ने कहा कि वह बाइडेन के साथ कई चर्चाओं में भाग लेना चाहते हैं।परंपरा के मुताबिक दोनो प्रतिद्वंद्वियों को तीन चर्चाओं में भाग लेना होता है। वहीं पेन्सिलवेनिया में बाइडेन ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला। परंपरा के मुताबिक दोनो प्रतिद्वंद्वियों को तीन चर्चाओं में भाग लेना होता है। वहीं पेन्सिलवेनिया में बाइडेन ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला। बाइडेन ने कहा, ''वह एक बच्चे की तरह हैं जो यह विश्वास नहीं कर सकता कि यह उसके साथ हुआ है। इस महामारी का प्रकोप वह नहीं झेल रहे बल्कि हम सभी झेल रहे हैं। उनका काम है कि वह इसके लिए कुछ करें।''जो बाइडेन आगामी 20 अगस्त को विस्कांसिन के मिल्वॉकी शहर में डेमोक्रटिक पार्टी के सम्मेलन में औपचारिक तौर पर राष्ट्रपति चुनावों के उम्मीदवार के रुप में नामांकन स्वीकार करेंगे। कोरोना वायरस महामारी के खतरे को देखते हुए डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन कमेटी(डीएनसीसी) ने बुधवार को सम्मेलन के मिल्वॉकी से ऑनलाइन प्रसारण की घोषणा की ताकि सभी देशवासी इसे देख सकें।

लगातार आक्रामक हो रही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को स्वीकार करने का तर्क बेतुका है : पोम्पिओ

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्रता और अधिनायकवाद के बीच कोई समझौता नहीं हो सकता। इसके साथ ही उन्होंने इस तर्क को खारिज कर दिया कि तनाव को शांत कर लेना चाहिए और तेजी से आक्रामक हो रही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) को स्वीकार कर लेना चाहिए डिजिटल ब्रसेल्स फोरम 2020 में पोम्पिओ से पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मेरा संदेश यह है कि हमें हमारे स्वतंत्र समाजों, हमारी समृद्धि और हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने के हित में चीन की चुनौती के खिलाफ अंटलाटिक के दोनों तरफ जागरुकता को जारी रखने के लिए मिलकर काम करना होगा। यह आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता और अधिनायकवाद के बीच कोई समझौता नहीं हो सकता। मैं नहीं चाहता कि हमारे भविष्य को सीसीपी आकार दे और मैं इस बात पर शर्त लगा सकता हूं कि कोई भी यह नहीं चाहता होगा इसी क्रम में, पोम्पिओ ने घोषणा की कि अमेरिका ने चीन पर अमेरिका-यूरोपीय संघ संवाद स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा, पश्चिम में और हमारे साझा लोकतांत्रिक आदर्शों पर चीन के खतरे को लेकर हमारी चिंताओं पर चर्चा करने के लिए इस नयी व्यवस्था को लेकर मैं उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, यूरोप में अमेरिका के दोस्तों को मेरा आमंत्रण हमारे समय के इन मूल्यों के संरक्षण के संबंध में है कि वे विश्व को भविष्य में अच्छा आकार देंगे जैसा कि उन्होंने पूर्व में किया है। हम साथ मिलकर इन मूल्यों की रक्षा करेंगे। पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) उकसाने वाली सैन्य गतिविधियां संचालित कर रही है। उन्होंने कहा, इसमें दक्षिण चीन सागर में आक्रामकता बरकरार रखना, भारत के साथ हुआ घातक सीमा विवाद, अपारदर्शी परमाणु कार्यक्रम और शांतिपूर्ण पड़ोसियों के खिलाफ चेतावनी शामिल है।'' पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि सीसीपी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), संयुक्त राष्ट्र और हांग कांग के लोगों के प्रति दर्शाई गई प्रतिबद्धताओं समेत कई अंतरराष्ट्रीय वादों को तोड़ा है।

लादेन को लेकर पाक में छिड़ा विवाद, विपक्ष बोला- इमरान खान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान आतंकियों के लिए हमेशा से सबसे सुरक्षित पनाहगाह रहा है। एक बार फिर पाकिस्तान की असलियत सामने आ गई है, उसका नापाक चेहरा सामने आया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को अल-कायदा के प्रमुख और 9/11 मास्टरमाइंड दिवंगत ओसामा बिन लादेन को ''शहीद बताते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में साथ देकर पाकिस्तान को ''शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। हालांकि इसे लेकर पाकिस्तान की राजनीति भी गरमा गई। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के प्रवक्ता मुस्तफा नवाज खोकर ने बयान में इमरान खान को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। दरअसल बजट सत्र के दौरान खान ने संसद में कहा कि इस्लामाबाद को सूचित किए बिना ही अमेरिकी बल पाकिस्तान में घुसे और बिन लादेन को मार गिराया, उसके बाद से ही सभी पाकिस्तान को गालियां दे रहे हैं। खान ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई भी ऐसा अन्य देश है जिसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ दिया हो और उसके लिए उसे शर्मिंदगी भी उठानी पड़ी हो। अफगानिस्तान में अमेरिका की असफलता के लिए साफ-साफ पाकिस्तान पर दोष मढ़ा गया। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी जब एबटाबाद घुसे और उन्होंने ओसामा बिन लादेन को मार गिराया.. शहीद किया.. तो वह पूरी दुनिया में बसे पाकिस्तानियों के लिए शर्मिंदगी का पल था।उसके बाद पूरी दुनिया हमें गालियां देने लगी। हमारा सहयोगी हमारे देश में घुसा और बिना सूचना दिए किसी को मार दिया। और, आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में 70 हजार पाकिस्तानी मारे गए हैं।

800 भेड़ें लेकर चीनी दूतावास पहुंच गए थे अटल बिहारी वाजपेयी, चीन को ऐसे दिया था मुंहतोड़ जवाब

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

लद्दाख में इन दिनों भारत-चीन सीमा के बीच तनाव बना हुआ। चीन भारत के साथ ऐसी हरकतें पहली बार नहीं कर रहा है। साल 1962 में भी चीन ने कुछ ऐसा ही हिमाकत करने की कोशिश की थी लेकिन भारतीय सेना ने तब भी उसको मुंहतोड़ जवाब दिया था। दरअसल 1962 में जब भारत-चीन का युद्ध खत्म हुआ तो ड्रैगन ने भारत को नई टेंशन देने की कोशिश की। साल 1965 में चीन ने पत्र लिखकर भारतीय सैनिकों पर उसकी भेड़ें और याक चुराने का आरोप लगाया। पत्र में कहा गया कि अगर हमारे जानवर वापस नहीं किए गए तो भारत को गंभीर नतीजा भुगतना पड़ेगा। अटल बिहारी वाजपेयी तक जब यह बात पहुंची तो उन्होंने न सिर्फ चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया बल्कि दुनिया को भी दिखा कि भारत कैसा देश है। 162 की लड़ाई के बाद दरअसल साल 1965 में चीन सिक्किम पर कब्जा करने की फिराक में था। चीन ने भारत के खिलाफ नई चाल चलते हुए भारतीय सैनिकों पर तिब्बत के चरवाहों की 800 भेड़ें और 59 याक चुराने का आरोप लगाया था और धमकी दी कि भारत जानवर नहीं लौटाएगा तो परिणा अच्छे नहीं होंगे। चीन के इस झूठे आरोप का जवाब देने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बड़ा ही अनोखा तरीका निकाला था। 1965 में अटल जी सांसद थे। वे भेड़ों का झुंड लेकर दिल्ली में चीनी दूतावास पर पहुंच गए। दूतावास पर प्रदर्शन करते हुए अटल जी ने कहा था कि अब चीन भेड़ों के नाम पर विश्व युद्ध करेगा। इतना ही नहीं भेड़ों के गले में तख्तियां भी लटकाई गईं, जिन पर लिखा था- हमें खा लीजिए, लेकिन दुनिया को बचा लीजिए। अटल जी के इस अनोखे प्रदर्शन से चीन तिलमिला गया था और चिट्ठी लिख वाजपेयी की शिकायत करते हुए लिखा कि उन्होंने सरकार के कहने पर यह सब किया। इसके साथ ही चीन ने भारत पर नया आरोप लगाया कि भारतीय सैनिक चीन के क्षेत्र में घुसे और वहां निर्माण कार्य किया। चीन की चिट्ठी पर सरकार ने जबाव दिया था कि अटल जी के भेड़ प्रदर्शन पर सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। सरकार ने लिखा था कि भारतीय नागरिकों ने दूतावास के बाहर शांतिपूर्वक और मजाकिया तरीके से प्रदर्शन किया है। बता दें कि अटल जी ऐसे व्यक्तिव वाले इंसान थे कि वे जानते थे कि सामने वाले को किस समय कैसा जवाब देना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोजगार देने के मामले में गुजरात देश में अव्वल

4.5 फीसदी बेरोजगारी दर का गत वर्ष का अपना ही रिकार्ड तोड़ा गुजरात ने

अहमदाबाद, गुजरात समग्र देश में सबसे कम 3.4 फीसदी बेरोजगारी दर के साथ देशभर में रोजगार मुहैया कराने के मामले में आगे रहा है।

हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पीरिओडिक लेबर फोर्स सर्वे की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के दिशानिर्देश में राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र सहित अन्य उद्योगों को राज्य सरकार के प्रोत्साहन, सरल नीतियां, त्वरित ऋण सहायता, श्रम सुधारों और उद्योग स्थापना में सरलता के चलते राज्य में ज्यादा उद्योगों के आने के कारण इस वर्ष यह बेरोजगारी दर गत वर्ष के 4.5 फीसदी से भी घटकर 3.4 फीसदी हो गई है।

यह गुजरात की एक विशिष्ट उपलब्धि है।

यह सर्वे भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से किया गया है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रों में 15 से 59 वर्ष के आयु समूह में गुजरात देश में सबसे कम 3.4 फीसदी बेरोजगारी दर के साथ पहले स्थान पर है। विशेष उल्लेखनीय बात यह है

कि गुजरात ने इस बार अपने ही गत वर्ष के सबसे कम बेरा.`जगारी दर के रिकार्ड को तोड़ा है। इसी सर्वे के अनुसार गत वर्ष गुजरात 4.5 फीसदी की सबसे कम बेरोजगारी दर के साथ देश में अव्वल था।

बेरोजगारी दर के मामले में गुजरात की तुलना में अन्य बड़े राज्यों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कर्नाटक में बेरोजगारी की दर 5.3 फीसदी, महाराष्ट्र में 6.6, तमिलनाडु में 7.2, आंध्र प्रदेश में 7.8, हरियाणा में 9, केरल में 11 और तेलंगाना में 11.5 फीसदी है।

कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके 8 विधायक आज भाजपा में शामिल होंगे

अहमदाबाद , कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके 8 विधायक शनिवार को भाजपा में शामिल होंगे।

गांधीनगर स्थित गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में सुबह 11 बजे पूर्व विधायकों को बुलाया गया है । जहां प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतु वाघाणी की मौजूदगी में कांग्रेस के पूर्व विधायक भगवा धारण करेंगेद्य राज्यसभा चुनाव से पहले मार्च में 5 और जून में 3 विधायकों समेत 8 विधायकों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस इस्तीफा देनेवाले विधायकों में करजण के अक्षय पटेल, मोरबी के ब्रिजेश मेरजा, डांग के मंगल लींबडी का सोमा पटेल, धारी के जेवी काकडिया और गढडा के प्रवीण मारू शामिल हैं।

गावित, कपराडा के जीतु चौधरी, अबडासा के प्रद्युम्नसिंह जाडेजा,

इन विधायकों के इस्तीफे से भाजपा को फायदा हुआ और उसके तीनों राज्यसभा प्रत्याशियों की जीत हुई,

जबकि कांग्रेस को केवल एक सीट से संतोष करना पड़ा।

भाजपा ने अभय भारद्वाज, रमीला बारा और नरहरी अमीन को राज्यसभा चुनाव में उतारा था और तीनों जीत गए।

जबकि कांग्रेस ने शक्तिसिंह गोहिल और भरतसिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाया था।

जिसमें शक्तिसिंह गोहिल जीत गए और भरतसिंह सोलंकी को हार का मुंह देखना पड़ा।

गुजरात एटीएस को बड़ी सफलता, सीरियल किलर 10 साल बाद गिरफ्तार

अहमदाबाद, गुजरात एटीएस ने बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने पिछले 10 साल से फरार लूट और हत्या की कई घटनाओं को 2008 से 2011 के दौरान 5 लूट और हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया था। असलम शेख अपने साथियों के साथ ट्रैक्टर लेकर एक पेट्रोल पंप और ट्रैक्टर की एजन्सी थी। लेकिन दोस्तों के साथ मिलकर मौज–शौक के लिए उसने कोठंबा, दहेगाम, मोडासा

अंजाम देनेवाले खूंखार असलम शेख नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरा.`पी पिछले 10 सालों से सूरत में छिपकर अपने परिवार के साथ रह रहा था। जानकारी के मुता.बिक बालासिनोर के मूल निवासी असलम करीम शेख नामक शख्स ने मौज–शौक की खातिर वर्ष

अस्पताल में नौकरी के दौरान उसने एक हिन्दू लड़की के साथ शादी कर ली और उसके तीन बच्चे भी हैं। लूट जाते लोगों को टार्गेट करता और लूटने के बाद ड्राइवर के हाथ–पैर बांधकर पानी में फैंक देता। 2008 से 2011 के दौरान असलम ने 10 ट्रैक्टर, 12 ट्रोली और मोटर साइकिल की लूट चलाई थी। गिरफ्तार असलम ने पूछताछ में बताया कि उसके पिता करीम शेख का बालासिनोर के निकट और छोटाउदेपुर में लूट और हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया। वर्ष 2011 में लूट और हत्या की आखिरी घटना को अंजाम देने के बाद वह पहले अजमेर, गोवा और बाद में सूरत में आकर रहने लगाद्य सूरत के वेसू क्षेत्र में 10 वर्षों से रह रहा असलम एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था।

और हत्या में असलम के साथ शामिल अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

अब असलम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सूरत में नाम बदलकर रहने वाले असलम ने फर्जी दस्तावेज किससे और कहां से बनवाए, इस दिशा में पुलिस ने जांच तेज की है।

13 हजार से अधिक एमएसएमई इकाइयों को ऑनलाइन एट वन क्लिक 1370 करोड़ की सहायता की पहल

कोरोना के बाद बदलती वैश्विक आर्थिक स्थिति का महत्तम लाभ उठाने गुजरात तैयारः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना–कोविड–19 संक्रमण के बाद बदलती वैश्विक आर्थिक स्थिति का अधिकतम फायदा उठाकर आपदा को अवसर में पलटने का राज्य के सूक्ष्म, लघु और मझौले (एमएसएमई) उद्यमियों को आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को राज्य के सभी जिलों के 12247 एमएसएमई उद्यमियों के बैंक खाते में 768 करोड़ और टेक्सटाइल उद्योग सहित अन्य बड़े उद्योगों की 835 इकाइयों को 601 करोड़ रुपए की सहायता समेत कुल 13 हजार औद्योगिक इकाइयों को 1369 करोड़ करोड़ रुपए की सहायता

एक ही क्लिक से गांधीनगर में बैठे सीधे इन उद्यमियों के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए जमा कराने की अभिनव पहल का शुभारंभ किया। इस संदर्भ में उन्होंने साफ कहा कि कोरोना संक्रमण के खिलाफ 'जान है तो जहान है'

के ध्येय के साथ रोजाना की गतिविधियों, व्यापार, उद्योग और धंधा–रोजगार को पुनः गतिशील करने के लिए राज्य सरकार ऐसे उद्योग–धंधों को प्रोत्साहन देने को प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के जिला मुख्यालयों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े उद्योग–व्यापार जगत के प्रतिनिधियों को इस सहायता वितरण के अवसर पर सीख देते हुए कहा कि उद्योग–व्यापार तो गुजरात के डीएनए में शामिल है।

ऐसे में कोरोना से भयभीत होकर बैठे रहने के बजाय कोरोना के साथ और उसके खिलाफ जंग करते हुए कोरोना को हराने के लिए हमें सतर्कता और सावधानी के साथ व्यापार, उद्योग और धंधा–रोजगार को पहले से भी तेज गति, ज्यादा उत्पादन और बेहतरीन गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाते हुए विकास की रफ्तार को नई गति देनी है। उन्होंने कहा कि राज्य कीअर्थव्यवस्था को कोरोना संक्रमण के बीच भी तेजी के साथ पटरी पर लाने के लिए पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव डॉ. हसमुख अढिया की अध्यक्षता में समिति का गठन कर उसकी सिफारिशों के त्वरित और असरदार कार्यान्वयन के रूप में इतिहास का सबसे बड़ा 14 हजार करोड़ रुपए का गुजरात आत्मनिर्भर पैकेज इस सरकार ने घोषित किया है।

रूपाणी ने कहा कि केवल पैकेज की घोषणा ही नहीं कि है बल्कि उस संबंध में सरकारी प्रस्ताव (जीआर) सहित अन्य प्रक्रियाओं को मात्र एक सप्ताह

में पूर्ण कर उसका क्रियान्वयन भी शुरू करने की दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास की बुनियाद समान 33 लाख एमएसएमई लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार मुहैया कराती है। कोरोना और लॉकड.ाउन के असर से इन एमएसएमई सहित अन्य मध्यम एवं बड़े उद्योगों को दोबारा पटरी पर लाने के लक्ष्य के साथ 14 हजार करोड़ रुपए के इस पैकेज के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत पैकेज में एमएसएमई के लिए घोषित की गई सहायता का अधिकतम लाभ गुजरात को मिले उसके लिए योजनाबद्ध कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के इस पैकेज के तहत 1 लाख 30 हजार एमएसएमई इकाइयों के ऋण–सहायता आवेदन मंजूर कर सिर्फ दो सप्ताह में 8200 करोड़ रुपए की सहायता मंजूर कर पूरे देश में सर्वाधिक 4175 करोड़ रुपए के ऋण का तो वितरण भी गुजरात में कर दिया गया है। रूपाणी ने कहा कि कोरोना का रोना रोते हुए बैठे रहने के बजाय जनता और तंत्र की सहभागिता से कोरोना के विरुद्ध जंग छेड़कर दिल्ली, मुंबई, पुणे और लखनऊ जैसे अन्य बड़े शहरों के मुकाबले गुजरात में कोरोना संक्रमण के दायरे को नियंत्रित कर गुजरात सही दिशा पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए वित्तीय सहायता की जो झड़ी लगाई है उसका उपयोग कर लघु और मझौले उद्यमी आगे बढ़कर दुनिया के बाजार में विशिष्ट पहचान बनाएं और पहले से भी अधिक समक्षता और समृद्धि के साथ गुजरात को व्यापार–उद्योग के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाएं। मुख्यमंत्री सह उद्योग विभाग के प्रधान सचिव श्री एम.के. दास ने कोविड 19 की मुश्किल स्थिति में भी राज्य के व्यापार, उद्योग–धंधों और एमएसएमई को पर्याप्त सहायता और समर्थन देकर विकास प्रक्रिया को बरकरार रखने की मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता का जिक्र किया। उन्होंने खुशी जताई कि मुख्यमंत्री के ऐसे उदार दृष्टिकोण के चलते 14 हजार करोड़ रुपए के भारी भरकम सहायता पैकेज से गुजरात के उद्योग–व्यापार और रोजगार सहित समग्र आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिली है। उन्होने जानकारी दी कि एमएसएमई इकाइयों के ऋण–सहायता सहित अन्य मसलों के निवारण के लिए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ तत्काल बैठक आयोजित कर उन मसलों का सुचारू समाधान किया है। राज्य के 33 जिलों के जिन 13 हजार उद्योगों–इकाइयों को 'एट वन क्लिक' सहायता की जो राशि मिली है, उसमें सर्वाधिक सूरत में 6108 इकाइयों को 294 करोड़ और अहमदाबाद में 2086 इकाइयों को 125 करोड़ रुपए शामिल है।

इस ऑनलाइन सहायता वितरण वीडियो कॉन्फ्रेंस में गांधीनगर से उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता तथा एमएसएमई आयुक्त रंजीथ कुमार एवं जिला मुख्यालयों पर उद्योग–व्यापार एसोसिएशन के प्रतिनिधि जुड़े थे।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

साबरमती जेल में 16 जेलकर्मियों समेत 54 कैदी कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद, शहर के साबरमती जेल में 16 कर्मचारियों और 54 कैदियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन कैदियों में सीरियल ब्लास्ट का आरोपी भी शामिल है। इसके अलावा जेल के डीवायएसपी भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं।

गुजरात में कोरोना के सबसे अधिक कोरोना पॉजिटिव केस अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। अहमदाबाद की साबरमती जेल के कैदी भी इससे अछूते नहीं हैं। साबरमती जेल में बंद 54 कैदी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। इतना ही नहीं जेल के 16 कर्मचारी और डीवायएसपी की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बता दें कि गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 29578 पर पहुंच गया है, जिसमें इकलौते अहमदाबाद में 19839 मामले दर्ज हुए हैं और अब तक 1390 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)